सूर्योदय दि. 10-11-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1° न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 06 अंक : 221 नई दिल्ली, बुधवार 10 नवम्बर-2021 नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित मूल्य : 02 रूपए पृष्ठ : 08

नोरा फतेही ने एयरपोर्ट पर... पृष्ठ-8 पर

पासवान, गोगोई, केशुभाई पटेल समेत 60 हस्तियां पद्म पुरस्कारों से सम्मानित

पद्म पुरस्कार के लिए खुद को योग्य नहीं मान रहे आनंद महिन्द्रा, पुरस्कार पाने वाले इन आम लोगों ने किया खास काम

नई दिल्ली.ओपन सर्च

देश में बड़ी और जानी मानी हस्तियों के अलावा जमीन से जुड़े कई साधारण लोगों को भी पद्म पुरस्कार मिले हैं। इस साल पद्म पुरस्कार पाने वालों की सूची में जहां एक ओर अरुण जेटली, सुषमा स्वराज,जॉर्ज फर्नांडीस, कंगना रनौत, एम .सी. मैरी कॉम, आनंद महिन्द्रा, पीवी सिंधू जैसी नामी हस्तियां रहीं, तो दूसरी ओर संतरा बेचने वाले हरेकला हजब्बा, साइकिल बनाने वाले मोहम्मद शरीफ, अब्दुल जब्बार खान, लीला जोशो, तुलसी गौड़ा, राहीबाई सोमा पोपेरे जैसे असाधारण काम करने वाले आम लोग भी शामिल रहे। महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा भी इस साल पद्म पुरस्कार पाने वालों की सूची में शामिल रहे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया। इस महत्वपूर्ण और गौरवशाली सम्मान को पाने के बाद भी आनंद महिन्द्रा खुद को इसके लिए अयोग्य मान रहे हैं। उन्होंने यह बात एक ट्वीट में कही है और इसी ट्वीट में यह भी बताया है कि वह ऐसा क्यों मानते हैं। आनंद महिन्द्रा ने ट्वीट में कहा, %इस सरकार ने पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की प्रकृति को लेकर लंबे समय से लंबित, परिवर्तनकारी बदलाव किया है। अब जमीनी स्तर पर समाज के सुधार में मौलिक योगदान देने वाले व्यक्तियों पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया जाता है। मैं वास्तव में उनकी श्रेणी में शामिल होने के लिए योग्य महसूस नहीं कर रहा था। अपने ट्वीट में आनंद महिन्द्रा ने तुलसी गौड़ा को पद्म पुरस्कार मिलने की तस्वीर भी शेयर की है। राष्ट्रपति कोविंद ने कर्नाटक की पर्यावरणविद् तुलसी गौड़ा को सामाजिक कार्य के लिए पद्मश्री प्रदान किया है। उन्होंने 30,000 से अधिक पौधे लगाए हैं और पिछले छह दशकों से वह पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में शामिल हैं। नंगे पैर खड़ीं कर्नाटक की 72 वर्षीय आदिवासी महिला तुलसी गौड़ा कल पद्मश्री से सम्मानित किया गया। वे कभी स्कूल नहीं गईं, लेकिन पौधों और जड़ी-बूटियों के ज्ञान के चलते उन्हें इन्साइक्लोपीडिया ऑफ फॉरेस्ट कहा जाता है। 12 साल की उम्र से वे अब तक 30 हजार से भी ज्यादा पौधे रोप चुकी हैं। उन्होंने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट में अस्थाई तौर पर सेवाएं भी दीं और आज भी अपने ज्ञान को नई पीढ़ी के साथ बांट रही हैं। पर्यावरण के संरक्षण में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वाले इन आम लोगों ने किया खास काम पद्मश्री से सम्मानित मैंगलोर के संतरा विक्रेता हरेकला हजब्बा ने संतरा बेचकर पाई-पाई कर जुटाए पैसों से अपने गांव में स्कूल खोला। स्कूल हजब्बा आवारा शैल यानी हजब्बा का स्कूल नाम से जाना जाता है। साइकिल मैकेनिक मोहम्मद शरीफ को भी पद्मश्री प्रदान किया गया। शरीफ ने पूरी गरिमा के साथ लावारिस शवों का अंतिम संस्कार किया।

भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों के लिए न्याय की लड़ाई के लिए जाने जाने वाले भोपाल के अब्दुल जब्बार खान (मरणोपरांत) को भी पद्मश्री से सम्मानित किया गया। रतलाम की मदर टेरेसा के रूप में जानी जाने वाली स्त्री रोग विशेषज्ञ लीला जोशो को मध्य प्रदेश के आदिवासी, ग्रामीण और शहरी मलिन बस्तियों में मातृ मृत्यु दर को कम करने में उनके योगदान के लिए पद्मश्री दिया गया।

केजरीवाल सरकार ने प्रस्तावित मेट्रो स्टेशनों के बीच इंटीग्रेटेड मॉडल के निर्माण को दी मंजूरी

पीडब्लूडी दिल्ली व दिल्ली मेट्रो के साथ मिलकर काम करने से प्रोजेक्ट की लागत हुई कम, दिल्ली के टैक्सपेयर्स के 180 करोड़ रुपयों की होगी बचत

विजय कुमार.ओपन सर्च

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने मंगलवार को यमुना विहार में प्रस्तावित मेट्रो स्टेशनों और मौजपुर-मजलिस पार्क कॉरिडोर के भजनपुरा स्टेशन में निचले डेक पर पीडब्ल्यूडी फ्लाईवोर और ऊपरी हिस्से में मेट्रो लाइन के बीच इंटीग्रेटेड डिज़ाइन के निर्माण को स्वीकृति देते हुए 220.10 करोड़ रूपये की मंजूरी दी।

पीडब्लूडी दिल्ली व दिल्ली मेट्रो के साथ मिलकर काम करने से इस प्रोजेक्ट की लागत कम हुई है जिससे दिल्ली के टैक्सपेयर्स के 180 करोड़ रुपयों की बचत होगी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि कम समय, कम खर्च और कम जगह के साथ तैयार होने वाला ये प्रोजेक्ट खुद में अनूठा है जो दिल्ली के विकास में गेम चेंजर साबित होगा। मंगलवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की उपस्थिति में एक्सपेंडिचर फाइनेंस कमिटी के बैठक में ये निर्णय लिया गया।

उपमुख्यमंत्री ने साझा किया कि यह 1457 मीटर लंबा 20 मीटर चौड़ा छह लेन का फ्लाईओवर होगा जो दो क्रॉसिंग - करावल नगर (यमुना विहार / भजनपुरा) और घोंडा चौक (बृजपुरी) को कवर करेगा। उन्होंने कहा कि इन जगहों पर ट्रैफिक की समस्या को खत्म करने व वर्तमान सड़क की क्षमता को बढ़ाने में ये प्रोजेक्ट काफी मददगार सिद्ध होगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ये प्रोजेक्ट दिल्ली के तरक्की के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगा। उन्होंने बताया कि डीएमआरसी और पीडब्ल्यूडी के इस संयुक्त प्रयास से फ्लाईओवर के निर्माण में करदाताओं के लगभग 140 करोड़ रुपये और मेट्रो के निर्माण में 40 करोड़ रूपये की बचत होगी।

इस तरह पीडब्लूडी और मेट्रो के साझा प्रयास से दिल्ली के करदाताओं के कुल 180 करोड़ रुपयों की बचत होगी। पहले यूटिलिटीज को शिफ्ट करने के साथ फ्लाईओवर के निर्माण की लागत 359.70 करोड़ रुपये थी, लेकिन इंटीग्रेटेड डिज़ाइन के कारण ये लागत लगभग 140 करोड़ रूपये कम होकर 220.10 करोड़ रुपये रह गई है। इसी तरह 1457 मीटर के मेट्रो लाइन की लागत भी 105 करोड़ रुपये थी, जो घटकर 67 करोड़ रुपये रह गई है, इससे करदाताओं के लगभग 40 करोड़ रूपये बचेंगे।

इसपर वित्तमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से न केवल जनता के टैक्स के पैसों की बचत होगी बल्कि सघन आबादी वाले इस क्षेत्र में जमीन का भी बेहतर इस्तेमाल हो पाएगा। उन्होंने बताया कि ये प्रोजेक्ट 2 साल के भीतर पूरा हो जाएगा जिससे आस-पास के क्षेत्र की जनता को लम्बे ट्रैफिक जाम से नहीं जूझना पड़ेगा और उनका कीमती समय भी बचेगा। फ्लाईओवर और मेट्रो का ये एकीकृत मॉडल पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर साबित होगा।

अस्पताल में आग, चार बच्चों की मृत्यु, शेष बच्चों को अन्य स्थान पर शिफ्ट किया गया

भोपाल एजेंसी

भोपाल के सरकारी हमीदिया अस्पताल परिसर में कमला नेहरु अस्पताल की तीसरी मंजिल स्थित शिशु वार्ड (स्पेशल न्यूबार्न केयर यूनिट) में आग लगने के कारण चार बच्चों की मृत्यु हो गयी और शेष लगभग 36 बच्चों को अन्य सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करके उनका इलाज किया जा रहा है।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार अस्पताल की तीसरी मंजिल स्थित शिशु वार्ड के वेंटीलेटर में कल रात लगभग नौ बजे शार्ट सर्किट के कारण आग लगी और देखते ही देखते यह वार्ड के कुछ हिस्सों में फैल गयी। इस वजह से वार्ड के उपकरण इत्यादि जल गए और उसमें धुंआ फैल गया। इस बीच चिकित्सकों और नर्स आदि की मदद से बच्चों को वहां से हटाकर अन्य स्थान पर सुरक्षित रखने के प्रयास हुए, लेकिन चार शिशुओं को नहीं बचाया जा सका। इन बच्चों की उम्र एक दिन से लेकर नौ दिन तक है। शेष 36 बच्चों को अस्पताल के प्रभावित वार्ड से शिफ्ट कर दिया गया है और सबका इलाज चल रहा है। आग लगने की सूचना पर दमकल कर्मचारी और पुलिस कर्मचारी मय साजो सामान के साथ पहुंचे और आग पर काबू पाया।

घटना के कुछ देर बाद परिसर में मीडिया से चर्चा में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा था कि आग पर काबू पा लिया गया है और सभी बच्चों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया है। लेकिन कुछ ही देर बाद खबर आयी कि तीन बच्चों की मृत्यु हुयी है। बाद में मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गयी। इस बीच अस्पताल प्रशासन बच्चों की स्थिति पर नजर रखे हुए है। इनमें से लगभग आधा दर्जन बच्चों को बेहतर इलाज के लिए शहर के एक अन्य सरकारी अस्पताल में भेजे जाने की खबर भी है।

भारतीय कोविड टीकाकरण प्रमाण पत्र को 96 देशों ने किया स्वीकार

नई दिल्ली एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि भारतीय कोविड टीकों की स्वीकृति पूरी दुनिया में बढ़ रही है और 96 देशों ने इसे स्वीकार करने की सहमति दी है। इन देशों में अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, रूस और अफ्रीकी देश शामिल हैं।

श्री मांडविया ने यहां कहा कि दुनिया के 96 देशों ने भारतीय कोविड टीकाकरण प्रमाण पत्र को पारस्परिकता को आधार पर स्वीकृति दी है। यह भारतीय टीकों और टीकाकरण प्रक्रिया की विश्वव्यापी स्वीकृति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षा, कारोबार और पर्यटन के लिए यात्रा आसान हो सकेगी। गौरतलब है कि भारत में निर्मित दोनों कोविड रोधी टीकों कोविशिल्ड और कोवैक्सिन को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मान्यता देते हुए इन्हें आपात प्रयोग सूची में शामिल किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो लोग विदेश यात्रा करना चाहते हैं, उनके लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा टीकाकरण प्रमाणपत्र कोविन पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। भारतीय कोविड टीकाकरण प्रमाण पत्र को स्वीकार करने वाले देशों में कनाडा, अमेरिका, बंगलादेश, माली, घाना, सिएरा लियोन, अंगोला, नाइजीरिया, बेनिन, चाड, हंगरी, सर्बिया, पोलैंड, स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया, क्रोएशिया, बुल्गारिया, तुर्की, यूनान, फिनलैंड , एस्टोनिया, रोमानिया, मोल्दोवा, अल्बानिया, चेक गणराज्य, स्विट्ज़रलैंड, लिकटेंस्टीन, स्वीडन, ऑस्ट्रिया, मोंटेनेग्रो, आइसलैंड, एस्वातिनी, रवांडा, ज़िम्बाब्वे, युगांडा, मलावी, बोत्सवाना, नामीबिया, किर्गिज़ गणराज्य, बेलारूस, आर्मेनिया, यूक्रेन, अज़रबैजान, कज़ाखस्तान , रूस, जॉर्जिया, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम, आयरलैंड, नीदरलैंड, स्पेन, अंडोरा, कुवैत, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कतर, मालदीव, कोमोरोस, श्रीलंका, मॉरीशस, पेरू, जमैका, बहामास, ब्राजील , गुयाना, एंटीगुआ और बारबुडा, मैक्सिको, पनामा, कोस्टारिका, निकारागुआ, अर्जेंटीना, उरुग्वे, पराग्वे, कोलंबिया, त्रिनिदाद और टोबैगो, डोमिनिका राष्ट्रमंडल, ग्वाटेमाला, अल सल्वाडोर, होंडुरास, डोमिनिकन गणराज्य, हैती, नेपाल, ईरान, लेबनान, फिलिस्तीन , सीरिया, दक्षिण सूडान, ट्यूनीशिया, सूडान, मिस्र, ऑस्ट्रेलिया, मंगोलिया और फिलीपींस शामिल हैं।

देश में कोरोना के 10 हजार से अधिक नये मामले दर्ज

नई दिल्ली एजेंसी

देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में गिरावट के दौर के बीच पिछले 24 घंटों में 10 हजार से अधिक नये मामले सामने आये जबकि इसकी तुलना में 11 हजार से अधिक मरीज स्वस्थ हुए हैं।

इस बीच देश में सोमवार को 59 लाख 08 हजार 440 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये और अब तक एक अरब नौ करोड़ आठ लाख 16 हजार 356 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 10,126 नये मामले सामने आये हैं और इसी के साथ संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ 43 लाख 77 हजार 113 हो गया है। इसी दौरान 11,982 मरीज स्वस्थ हुए हैं और इसके साथ ही इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर तीन करोड़ 37 लाख 75 हजार 086 हो गयी है।

देश में सक्रिय मामले 2,188 घटकर 1,40,638 रह गये हैं। इसी अवधि में 332 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर चार लाख 61 हजार 389 हो गया है।

सेवाओं का वार्षिक निर्यात 2030 तक हजार अरब डालर तक संभव : गोयल

नई दिल्ली एजेंसी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत से सेवाओं का निर्यात 2030 तक एक हजार अरब डालर (करीब 75 हजार अरब रूपये वार्षिक) तक पहुंच सकता है। उन्होंने यह कहा कि सरकार मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में ऐसी व्यवस्थाएं करने को प्रयासरत है जिनसे भारत के सेवा निर्यात को बढाया जा सके।

श्री गोयल ने यह भी बताया कि भारत से निर्यातित सवाओं के लिए प्रोत्साहन की योजना एसईआईएस की जगह नयी योजना लाने का विचार है। उन्होंने कहा कि सरकार देश से वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात बढ़ाने के नये नये उपाय करने में लगी है। निर्यात प्रोत्साहन की विभिन्न योजनाओं के तहत कुल 56,027 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। इनमें 10,002 करोड़ रुपये केवल सेवाओं के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए दिए गए हैं। वह सेवा निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा आयोजित वैश्विक सेवा क्षेत्र सम्मेलन 2021 को संबोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन में भारत के सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित सेवाओं से आगे अन्य सेवाओं के निर्यात को बढ़ाने की संभावनाओं पर विशेष चर्चा होगी। श्री गोयल ने कहा कि भारत सेवाओं के निर्यात में दुनिया का सबसे बड़ा केंद्र बनने की संभावना रखता है। 2020-21 में सेवाओं के व्यापार में भारत 89 अरब की बचत में था। उन्होंने कहा सेवाओं के कारोबार से भारत माल एसेम्बल करने वाली अर्थव्यवस्था की जगह ज्ञान आधारित व्यवस्था बन रहा है। देश का सेवा क्षेत्र अब दूसरों के दिए काम की जगह अपनी बुद्धि का काम करने लगा है। श्री गोयल के पास कपड़ा और उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय भी है।

उन्होंने कहा कि भारत 2030 तक एक हजार अरब डालर के सेवा निर्यात की ओर बढ़ रहा है। देश की अर्थव्यवस्था में सेवाओं के कारोबार का बड़ा अहम रोल है और महत्वपूर्ण योगदान है। सेवा क्षेत्र में इस समय करीब 2.6 करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ है और देश के वैश्विक निर्यात कारोबार में इस क्षेत्र का योगदान करीब 40 प्रतिशत है। 2020-21 में सेवा क्षेत्र का निर्यात सेवाओं के आयात से 89 अरब डालर अधिक था। वर्ष 2000-2021 में भारत में हुए कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवश (एफडीआई) में 53 प्रतिशत निवेश सेवा क्षेत्र में आया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा, आन लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, भाषा पाठ्यक्रम जैसे क्षेत्रों की सेवाओं का निर्यात बढ़ाने की भी बड़ी संभावना है। अमेरिका, कनाडा, संयुक्त अरब अमीरात और दक्षिण कोरिया के विद्यार्थी कला, संस्कृति और प्राचीन विरासतों के अध्ययन के लिए भातर आना पसंद करते हैं।

पर्यटन , स्वास्थ्य सेवाओं और क्लाउड गेमिंग सेवा जैसे क्षेत्र में भी भारत के लिए बड़ी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि विकसित औद्योगिक देशों, खड़ी और आसियान देशों में नर्सिंग सेवाओं के लिए सबसे ज्यादा नर्सों की आपूर्ति भारत करता है। उन्होंने कहा कि निर्यात संवर्धन योजनाओं के तहत सरकार ने 56,027 करोड़ रुपये जारी किए हैं इसमें से 10,002 करोड़ एसईआईएस के लिए है।

एक नज़र

प्रापर्टी डीलरों की बढ़ी मुसीबत, जीडीए ने कई क्षेत्रों में निर्माण कार्य पर लगाई रोक

गोरखपुर (एजेंसी) गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की सीमा में शामिल हुए नए क्षेत्रों में धड़ल्ले से हो रही प्लाटिंग पर लगाम लगाने के लिए जीडीए ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। प्लाटिंग के लिए यहां निर्माण भी कराए जा रहे हैं। प्राधिकरण की ओर से जमीन के कारोबार से जुड़े 113 लोगों को नोटिस भेजकर महायोजना 2031 लागू होने तक किसी प्रकार का निर्माण न करने का निर्देश दिया है। ऐसे लोगों से जमीन से जुड़े प्रपत्र भी मंगाए गए हैं। जीडीए की सीमा में शामिल होने के बाद इन क्षेत्रों में कालोनी विकसित करने से पहले लेआउट को रियल एस्टेट रेग्युलेटरी अथारिटी (रेरा) से अनुमोदित भी कराना अनिवार्य है।

जीडीए की सख्ती के बाद इन कारोबारियों की करीब 300 एकड़ जमीन फंस गई है। देवरिया रोड, वाराणसी रोड, कालेसर-जंगल कौड़िया फोरलेन बाईपास, जंगल कौड़िया-जगदीशपुर फोरलेन बाइपास (प्रस्तावित), कालेसर-जगदीशपुर फोरलेन बाईपास के दोनों ओर धड़ल्ले से प्लाटिंग की जा रही है। काश्तकारों से सस्ते दर जमीन लेकर या एग्रीमेंट के तहत उनकी जमीन महंगे दाम पर बेची जा रही है। सुविधाओं के नाम पर एक गेट, कुछ पोल लगाए गए हैं। जैसे-जैसे जमीन बिकती जाती है, कारोबारी और जमीन का एग्रीमेंट करा लेते हैं। जिस जमीन पर प्लाटिंग की जा रही है, वह कृषि योग्य है।

जीडीए का सीमा क्षेत्र बढ़ने के कारण ऐसे कारोबारियों पर निगरानी भी बढ़ा दी गई है। पहले ही जीडीए की ओर से अपील की गई थी कि महायोजना लागू होने तक जमीन न खरीदें। महायोजना में भू उपयोग बदलने पर उन्हें नुकसान हो सकता है। कुसम्ही से आगे नया गोरखपुर बसाने एवं कई क्षेत्रों में कृषि की जमीन का भू उपयोग आवासीय किए जाने की संभावना के बाद काश्तकारों ने भी जमीन का रेट बढ़ा दिया है। महायोजना में भू उपयोग बदलने के बाद रेरा से अनुमोदित कराने के बाद ही कालोनी बसायी जा सकती है। सचिव उदय प्रताप सिंह का कहना है कि जहां भी प्लाटिंग की सूचना मिल रही है, नोटिस भेजकर उनसे प्रपत्र मांगे जा रहे हैं। जीडीए की नई महायोजना जल्द आने वाली है। इसमें विस्तारित क्षेत्र के भू उपयोग भी निर्धारित होंगे।

बागपत में जंगल में मिली युवती की लाश, हत्या किए जाने की आशंका, पुलिस कर रही जांच

बागपत (एजेंसी) बागपत में मंगलवार को एक जंगल से युवती का शव मिलन से सनसनी फैल गई। यहां चांदीनगर के मुबारिकपुर गांव के जंगल में एक अज्ञात युवती का शव मिलने के बाद पुलिस भी मौके पहुंच गई और जांच पड़ताल की, लेकिन मृत युवती की शिनाख्त अभी नहीं हो सकी है। युवती की हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस जांच कर रही है। इसके साथ ही पुलिस ने युवती का शव का पचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ऐसा भी माना जा रहा है कि युवती को शायद किसी अन्य मारकर यहां पर लाकर उसकी लाश को फेंक दिया गया हो। पुलिस के अनुसार मंगलवार की दोपहर खेतों मे काम कर रहे किसानों ने पुलिस को सूचना दी कि खेकड़ा क्षेत्र के मुबारिकपुर गांव के जंगल में किसान विजय के ईख के खेत में एक 25 वर्षीय युवती का शव पड़ा है। महिला ने पीला सूट, पीला दुप्पटा और ओरेंज सलवार पहनी है। युवती की गर्दन पर चोट के निशान थे। सूचना पाकर रटौल पुलिस चौकी इंचार्ज विकास चौहान मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त के प्रयास किए लेकिन महिला की शिनाख्त नहीं हो पायी है। पुलिस ने युवती के शव का अज्ञात में पचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ युवराज सिह और प्रभारी कोतवाल मगनवीर सिह गिल भी मौके पर पहुंच गए थे।

घटना की जानकारी ली। सीओ खेकडा युवराज सिह ने बताया देखने से ऐसा प्रतीक हो रहा है कि जैसे युवती की बाहर कहीं हत्या करके शव को यहां लाकर डाला गया हो। खेत के समीप की गाड़ी के टायरो के निशान मिले हैं। पुलिस बारिकी के साथ जांच कर रही है। जांच पड़ताल के बाद ही स्पष्ट होगा। पुलिस ने मौके पर मौजदू कई लोगों से इस सिलसिले में पूछताछ भी की है। युवती की पहचान करने की कोशिश भी की जा रही है।

पीएम आवास के नाम पर लाभार्थियों से हुई वसूली, तीन सर्वेयर बर्खास्त

गोरखपुर (एजेंसी) पीपीगंज में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत घर बनाने के लिए किस्त दिलाने के नाम पर छह लोगों से वसूली का मामला प्रकाश में आया है। वसूली का वीडियो वायरल होने के बाद डीएम विजय किरन आनन्द ने एडीएम प्रशासन की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच कमेटी बनाई है। कमेटी को एक सप्ताह में रिपोर्ट देनी होगी। जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) के परियोजना अधिकारी विकास सिंह ने दोनों सर्वेयर को पीपीगंज से हटाकर कार्यालय से संबद्ध कर दिया है।

इसके पूर्व अवैध वसूली पर तीन सर्वेयरों को बर्खास्त किया जा चुका है। वायरल वीडियो में पीपीगंज निवासी राकेश कुमार कह रहे हैं कि आवास की तीसरी किस्त दिलाने के नाम पर उनसे 10 हजार रुपये मांगे जा रहे हैं। रुपये न मिलने पर किस्त लटकाने की धमकी दी जा रही है। राकेश कुमार ने पहली और दूसरी किस्त मिलने से पहले पांच-पांच हजार रुपये घूस देने की भी बात कही है। उनसे तब 10-10 हजार रुपये मांगे गए थे। पीपीगंज के छह लाभार्थियों ने इलाके के सभासद और तीन लेखपालों पर भी वसूली का आरोप लगाया है। डीएम ने इनकी भूमिका की भी जांच कर रिपोर्ट देने को कहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत आवास के लिए आए आवेदनों की जांच का जिम्मा सरयू बाबू इंजीनियड्क्षरग लिमिटेड को सौंपा गया है। कंपनी के सर्वेयर जांच कर रिपोर्ट देते हैं।

यदि सर्वेयर ने आवेदक के पात्र होने की रिपोर्ट दी तो जांच की जिम्मेदारी एसडीएम के माध्यम से लेखपाल को दी जाएगी। लाभार्थियों ने सर्वेयर राहुल और विवेक पर रुपये वसूलने का आरोप लगाया है। दोनों को डूडा कार्यालय से अटैच कर दिया गया है। कुछ दिनों पहले आवास की किस्त दिलाने के नाम पर वसूली करने वाले गोरखनाथ के एक और चौरी चौरा के दो सर्वेयरों को बर्खास्त कर दिया गया था। तीनों के खिलाफ एफआइआर भी दर्ज कराई गई थी। पीपीगंज में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की तीसरी किस्त दिलाने के नाम पर रुपये वसूलने का मामला सामने आया है।

प्रतापगढ़ में समाज कल्याण विभाग के निदेशक के भाई पर लाठी से हमला, लखनऊ में इलाज के दौरान मौत

प्रतापगढ़ (एजेंसी) संगमनगरी प्रयागराज से सटे प्रतापगढ़ जिले में अपराध की गतिविधियों पर अंकुश नहीं लग पा पा रहा है। एक हफते में कई जगह पर मिलावटी शराब मिलने के बाद सोमवार को समाज कल्याण विभाग के निदेशक के भाई अश्विनी कुमार शुक्ला पर एक व्यकित ने लाठी से हमला कर दिया। हालत गंभीर होने पर उनको लखनऊ रेफर किया गया, जहां पर किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रामा सेंटर में उन्होंने देर रात में दम तोड़ दिया। प्रतापगढ़ के महेशगंज थाना अंतर्गत पूरे हरकेश गांव में सोमवार की सुबह समाज कल्याण निदेशक राकेश शुक्ला के भाई अश्वनी कुमार को एक शख्स से उधार का पैसा वापस मांगने पर लाठी मार कर घायल कर दिया गया। लखनऊ स्थित ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

इस प्रकरण में आरोपित हृदयलाल उर्फ दुम्मा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। अश्वनी कुमार शुक्ल (55 वर्ष) ने गांव के हृदय पाल उर्फ दुम्मा पुत्र कल्लू वनवासी को कुछ दिन पहले रूपये उधार दिए थे। रविवार रात अश्वनी को पता चला कि हृदयलाल ने अपनी जमीन बेची है। सोमवार सुबह करीब सात बजे वह उधार दिए गए रुपये मांगने के लिए हृदयलाल के घर पहुंचे थे। इस दौरान बातचीत के दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया। गुस्से में आकर बकायेदार हृदयलाल उर्फ दुम्मा ने घर में रखी लाठी उठाकर अश्वनी के ऊपर हमला कर दिया। उनके सिर पर ताबड़तोड़ कई प्रहार कर दिए।

उनका सिर फट गया। वह जमीन पर गिरकर तड़पने लगे। आसपास के लोग बचाने के लिए दौड़े। मौके पर उनके भाई बालकृष्ण भी घटना स्थल पर पहुंचे पर तब तक दुम्मा मौके से भाग गया। गंभीर घायल अश्वनी को इलाज के लिए रायबरेली जिला अस्पताल ले गए। वहां से हालत गंभीर देख लखनऊ स्थित ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 10 को करेंगे छठ महोत्सव की शुरुआत, लक्ष्मण मेला स्थल पर बहेगी भोजपुरी बयार

लखनऊ (एजेंसी) सुख-समृद्धि के प्रतीक भगवान सूर्य देव की उपासना करने मात्र से सभी दुःख दूर हो जाते हैं। इसी मंशा से छठ पर सूर्य देव की उपासना की जाती हैं। पूर्वांचल के मुख्य पर्व में से एक इस पर्व को लेकर लखनऊ में भी तैयारियां पूरी हो गई हैं। 36 घंटे के निर्जला व्रत कर महिलाएं अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य की उपासना कर व्रत का पारण करती हैं।

मंगलवार को खरना के चलते पूजन में चढ़ने वाली सामग्री की खरीदारी व साफ सफाई की गई। मंगलवार को रसियाव सेवन के साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो गया। छठ उत्सव पर प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश करने की बड़ी घोषणा के बाद अब 10 नवंबर को लक्ष्मण मेला घाट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद शाम चार बजे छठ उत्सव की शुरुआत करेंगे। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के अध्यक्ष प्रभुनाथ राय ने बताया कि अवधी एवं शास्त्रीय गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी जहां छठ गीतों का गुलदस्ता पेश करेंगी तो कुसुम पांडेय मिर्जापुरी कजरी पेश करेंगी। शशि सिंह समेत कई गायक छठ गीत प्रस्तुत करेंगे। लक्ष्मण मेला स्थल पर 10 की शाम से लेकर 11 नवंबर की सुबह तक कलाकार भोजपुरी गीतों का गुलदस्ता पेश करेंगे। मनोज मिहिर, रंजना मिश्रा,अनुमेहा गुप्ता, पूजा मिश्रा जहां छठ गीत पेश करेंगी तो शशिभूषण शुक्ला, मीना मिश्रा, सुरेश कुशवाहा, एसपी चौहान, कुसुम पांडेय, अकरम अंजाना, शंकर यादव, अखिलेश व रविशंकर देहाती सहित कई कलाकार गीत पेशकर माहौल को भोजपुरी रंग में रंगने का कार्य करेंगे।

संकट मोचन मंदिर में होगी पूजा : कृष्णानगर के इंद्रलोक कालोनी स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर (नई पानी की टंकी पार्क) में छठ पूजा होगी। यहां के निवासियों उदय सिंह, विनय सिंह, अखिलेश सिंह और मनोज कुमार समेत आसपास के निवासियों की ओर से मंदिर परिसर में पूजन स्थल का पक्का निर्माण कराया गया है। नगर

निगम से सफाई व पानी की व्यवस्था कराने की भी निवासियों ने मांग की है। इसके अलावा पीएसी महानगर, छोटी व बड़ी नहर आलमबाग के साथ ही मवैया में भी महिलाएं पूजन करेंगी। गोमती नदी के झूलेलाल घाट, संझिया घाट, कुडिया घाट व अग्रसेन घाट सहित के सभी घाटों पर भी विशेष पूजा होगी। ऐसे होती है पूजा : आदिलनगर निवासी रंजना सिंह ने बताया कि लौकी की खीर खाकर महिलाएं व्रत शुरू करती हैं। बेटा या पति बांस की टोकरी में मौसमी फल व सब्जियों को छह, 12 व 24 की संख्या में लेकर नदी या तालाबों के किनारे जाते हैं। छठ गीत गाती व्रती महिलाओं के संग अन्य महिलाएं घाट तक जाती हैं। मिट्टी की सुशोभिता (छठ मइया का प्रतीक) बनाकर पुरोहितों के सानिध्य में पूजा होती है। गन्ने के साथ ही दूध व गंगा जल से डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। दूसरे दिन उगते सूर्य की उपासना और अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। सूर्यदेव को अर्घ्य देने का समय : आचार्य अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि 10 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य का समय शाम 5:27 बजे है जबकि 11 को उदीयमान सूर्य को सुबह 6:34 बजे अर्घ्य दिया जाएगा। इस दिन सूर्य देव की पूजा का विशेष महत्व है।

इस व्रत को करने वाली स्त्रियां धन-धान्य-पति -पुत्र व सुख,समृद्धि से परिपूर्ण व संतुष्ट रहती हैं। सत्कर्म से जुड़ा है पर्व का कथानक : आचार्य राकेश पांडेय ने बताया कि षष्ठी का पर्व सत्कर्म से जुड़ा है। इस दिन व्रत पूजन करने से चर्म रोग व नेत्र रोग से मुक्ति मिल सकती है,इस व्रत को निष्ठा पूर्वक करने से पूजा व अर्घ्य दान देते समय सूर्य की किरण अवश्य देखना चाहिए । प्राचीन समय में बिंदुसार तीर्थ में महिपाल नामक एक वणिक रहता था । वह धर्म-कर्म तथा देवताओं का विरोध करता था। एक बार सूर्य नारायण के प्रतिमा के सामने होकर मल-मूत्र का त्याग किया,जिसके फल स्वरूप उसकी दोनों आखें नष्ट हो गई। एक दिन उसे जीवन से ऊब कर गंगा जी में कूद कर प्राण देने का निश्चय कर चल पड़ा।

रास्ते में उसे ऋषि राज नारद जी मिले और पूछे -कहिए सेठ जी कहा जल्दी जल्दी भागे जा रहे हो ? अंधा सेठ रो पड़ा और सांसारिक सुख-दुःख की प्रताड़ना से प्रताड़ित हो प्राण- त्याग करने जा रहा हूँ -मुनि नारद जी बोले- हे अज्ञानी तू प्राण-त्याग कर मत मर भगवान सूर्य के क्रोध से तुम्हें यह दुख भुगतना पड़ रहा है!

तू कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की सूर्य षष्ठी का व्रत रख,-तेरा कष्ट समाप्त हो जाएगा! वणिक ने समय आने पर यह व्रत निष्ठा पूर्वक किया जिसके फल स्वरूप उसके समस्त कष्ट मिट गए व सुख-समृद्धि प्राप्त करके पूर्ण दिव्य ज्योति वाला हो गया। अतः इस व्रत व पूजन को करने से अभीष्ट की प्राप्ति होती है।

शाहजहांपुर में सीएम योगी बोले, पहले सैफई में नाच गाना होता था, आज अयोध्या में दीपोत्सव होता है

बरेली (एजेंसी) शाहजहांपुर में 269 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन योजनाओं का शिलान्यास हो रहा है उनका प्रशासन कार्यदायी संस्थाओं से समय से काम पूरा कराना सुनिश्चित करे। जनसभा को संबोधित करते सपा पर हमलावर हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बदलते हुए भारत को आज पूरा विश्व देख रहा है।

आज दुश्मन यदि आंख भी दिखाता है तो उसकी आंख निकालने का काम किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में 2017 से पहले त्योहार शांतिपूर्ण नहीं मना सकते थे। हर त्योहार पर प्रदेश में कहीं न कहीं दंगे हुआ करते थे। आज हम शांति से त्योहार मना रहे हैं। पहले अयोध्या जाने से भी लोग घबराने लगे थे।लोग सोचते थे न जाने वहां किसके साथ क्या हो जाए।

आज बड़े से बड़े आयोजन वहां हो रहे हैं। वह भी शांतिपूर्ण तरीके से भी हो रहे। पहले तो सिर्फ सैफई में बड़ा आयोजन होता था। सैफई में नाच गाना होता था। आज अयोध्या में दीपोत्सव होता है। आप खुद ही देखें इन साढ़े चार साल में अपना उत्तर प्रदेश कितना बदल गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना ने पूरे विश्व को पस्त किया लेकिन भारत ने कोरोना को हरा दिया। दंगा किसी ने करने की कोशिश की तो उसकी सात पीढ़ियां भरते भरते परेशान हो जाएंगी। सीएम ने कहा कि हमने 86 लाख किसानों का कर्ज माफ किया। जब नियत साफ होती है तो काम भी दमदार होता है। यह उप्र में दिखाई दे रहा है। विपक्ष के विधायकों में विकास के लिए कोई रुचि नहीं है। उनके लिए अपना परिवार ही विकास है। भाजपा के लिये पूरा देश ही परिवार है। साढ़े पांच लाख किसानों की बर्बाद फसलों का मुआवजा दिया। बाकी किसानों का भी सर्वे करने के लिये प्रशासन को निर्देश दे दिए गए हैं। किसानों का कोई शोषण नहीं होने दिया जाएगा।

यदि कहीं से शिकायत आती है तो संबधित की जबाबदेही तय होगी। पहले धान खरीद केन्द्र खुलते ही एक परिवार के लोग वसूली के लिए निकल पड़ता था जो नौकरी के नाम पर भी वसूली करते थे। 2017 से पहले उप्र देश के विकास में बाधक माना जाता था। लेकिन आज बिना भेदभाव के आवास, शौचालय, बिजली दी जा रही है।

60 लाख उधमियों को भी विकास से जोड़ने का काम प्रदेश में किया गया। पहले हर योजना का लाभ एक ही खानदान ले जाता था। पहले सैफई में नाच गाना होता था। आज अयोध्या में दीवाली मनाई जा रही है। आज बुलडोजर देख कर अपराधी कह रहे हैं कि एक बार जान बख्श दो फिर अपराध नही करेंगे। मजनुओं को ठीक करने के लिए महिला कांस्टेबल की भर्ती भी भाजपा सरकार में बड़े स्तर पर हुई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह का दावा, विधान सभा चुनाव में 300 से अधिक सीटें जीतेंगे

प्रयागराज (एजेंसी) यूपी में 2022 में होने वाले आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उत्साह से लबरेज है। मंगलवार को प्रयागराज आगमन पर सर्किट हाउस में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने दावा किया कि हम 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव में 300 से अधिक सीटें जीतने जा रहे हैं। बोले कि भाजपा की वर्तमान प्रदेश सरकार ने कानून व्यवस्था पर बहुत काम किया है। उसकी वजह से यहां अपराधी और माफिया राज समाप्त हो चुका है। यही वजह है कि विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि हम जनता के बीच अपने कार्यो को लेकर जाएंगे। पूर्ण विश्वास है कि पहले से अधिक सीटें मिलेंगी। हमने पांच सालों में प्रदेश का बहुमुखी विकास किया है। विपक्ष के हमलों का जवाब देते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज का विपक्ष नकारात्मक भूमिका में खड़ा है। वह लोगों को भ्रमित कर कुर्सी हथियाने में जुटा है। इसी क्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष यमुनापार के लेड़ियारी में आयोजित सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती स्वाभिमान सभा में भी लोगों को संबोधित किया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को सर्किट हाउस में लोगों की समस्याएं सुनीं। इस बीच जमीन और पुलिस संबंधी मामले अधिक आए। कुछ लोगों ने सरकारी योजनाओं का लाभ न मिलने की भी शिकायत की। इसे गंभीरता से लेते हुए उप मुख्यमंत्री ने विभागीय अफसरों को तुरंत समस्या के समाधान के लिए निर्देशित किया। इसी दौरान अपनी पत्नी के साथ आए एक दिव्यांग पर नजर पड़ी तो उन्होंने उसे भीड़ से अलग सोफे पर बैठाया और उसकी पीड़ा सुनी। दंपती ने बताया कि वह मूलरूप से सुल्तानपुर के रहने वाले हैं।

बहराइच में जादू-टोना के शक में वृद्धा की निर्मम हत्या, पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट

बहराइच (एजेंसी) बीती रात घर में सो रही वृद्धा को पड़ोसी युवक ने डंडे से पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। ग्रामीणों ने आरोपी युवक पवन कुमार को बंधक बनाकर पुलिस को सौंप दिया। बताया जाता है कि हत्याभियुक्त को खुद पर महिला के जादू-टोना करने का संदेह था।

इससे क्षुब्ध होकर उसने घटना को अंजाम दिया गया है। थाना सुजौली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत चहलवा के बिहारीपुरवा गांव में एक युवक ने गांव की ही महिला पर बीती रात सोते समय हमला बोल दिया। बिहारीपुरवा गांव निवासी हीरालाल की पत्नी शांतिदेवी (80) घर में सो रही थी। रात के दो बजे के करीब गांव के युवक पवन कुमार घर में घुस गया। गहरी नींद में सो रही वृद्धा पर मोटे डंडे से हमला करने लगा। तभी महिला की चीखें सुनकर परिवारजन की नींद खुली। जब तक लोग युवक को हमले से रोकते, तब तक वृद्धा पर डंडे से कई वार कर चुका था।

परिवारजन ने स्थानीय लोगों की सहायता से हमलावर युवक को पकड़ कर बंधक बना लिया और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। घायल महिला को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुजौली ले जाया जा रहा था, लेकिन गंभीर रूप से घायल महिला की रास्ते में ही मौत हो गई। घटना के पीछे आपसी रंजिश बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग जमा हो गए। सुबह घटनास्थल पर दलबल के साथ पहुंचे थानाध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका के पुत्र लालमणि की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। जांच के दौरान उप निरीक्षक अजयकांत द्विवेदी, सुभाष यादव, पवन कुमार यादव, पंकज यादव, महिला कांस्टेबल कनक सरोज मौजूद रहे। मृतका के पौत्र विजय कुमार ने बताया कि आरोपित युवक घटना वक्त नशे में धुत्त था।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का भाजपा से सवाल- बताएं नोटबंदी से क्या मिला

लखनऊ (एजेंसी) देश में नोटबंदी के पांच वर्ष पूरा होने पर मंगलवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा हमला बोला है। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर उन्होंने कानपुर देहात के झींझक में नोटबंदी की लाइन में जन्मे खजांची नाथ का जन्मदिन मनाया। अखिलेश यादव ने इस अवसर पर कहा कि भाजपा बताए कि नोटबंदी से क्या फायदा हुआ है। भाजपा ने जो सपने दिखाए थे वह अधूरे रह गए।

उसके प्रयास से सिर्फ देश के अमीरों को फायदा हुआ है। नोटबंदी के दौरान तमाम लोगों की जान चली गई, लेकिन सिर्फ समाजवादी पार्टी ने ही ऐसे पीड़ित परिवारों की मदद की है। अखिलेश यादव ने प्रदेश कार्यालय में नोटबंदी की लाइन में जन्मे खजांची का जन्मदिन मनाया। इस मौके पर सपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने खजांची को उपहार व धनराशि प्रदान की। नोटबंदी के दौरान पैदा हुए खजांचीनाथ का जन्मदिन मनाने के साथ ही

अखिलेश यादव के साथ सपा के नेताओं ने भी खजांची नाथ को गिफ्ट भेंट किया। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा को नोटबंदी के दौरान लाइन में लगने के दौरान पैदा हुए खजांची का जन्मदिन मनाना चाहिए। उन्होंने किसानों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि किसानों को लाभ देने के बजाय उन्हें टायरों से कुचला जा रहा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि पहली बार ऐसा हुआ है जब मतदाता सूची के प्रकाशन के समय नए जुड़े मतदाता व काटे गए नामों की सूची राजनीतिक दलों को नहीं दी गई है। इससे साफ नहीं हो पा रहा है कि कितने लोगों का नाम काटा गया और कितने लोगों का नाम जोड़ा गया है। उन्होंने एलान किया कि आयोग ने अगर मतदाता सूची नहीं दी तो समाजवादी पार्टी चुनाव आयोग के खिलाफ धरना प्रदर्शन करेगी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मतदाता सूची में 21 लाख 56,262 नाम जोड़े गए हैं और 16 लाख 42 हजार 756 नाम काटे गए हैं। इनमें से जो नाम काटे गए और जोड़े गए उन नामों की सूची जारी की जाती है। इस बार चुनाव आयोग ना जाने किसके दबाव में यह सूची जारी नहीं कर रहा है।

अगर चुनाव आयोग ने यह सूची नहीं जारी की तो हम चुनाव आयोग के खिलाफ धरना भी देंगे। अखिलेश यादव ने इस दौरान चुनाव आयोग पर सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी चुनाव आयोग के खिलाफ धरना देगी। संशोधन के नाम पर मतदाता सूची से 16 लाख से ज्यादा काटे गए नामों का ब्यौरा नहीं दिया जा रहा है। प्रदेश के अफसरों को आयोग में जानबूझ का तैनात किया गया है, चुनाव आयोग के काम पर भी बड़ा सवाल उठ रहा है।

राजकीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं को बताया जाएगा, क्या पढ़ें जिससे नहीं रहेंगे बेरोजगार

गोरखपुर (एजेंसी) राजकीय स्कूलों के बच्चों को सुनहरे भविष्य की राह दिखायी जाएगी। इंटरमीडिएट के बाद वे किस तरह के करियर विकल्प का चयन कर सकते हैं, जिससे उन्हें बेराजगारी का संकट न झेलना पड़े, इसे कार्यशाला के माध्यम से बताया जाएगा।

शिक्षा विभाग के साथ मिलकर जिला प्रशासन इसको लेकर अभियान चलाने जा रहा है। इसके लिए करियर गाइडेंस के क्षेत्र की दिग्गज एजेंसी आइ ड्रीम को जिम्मेदारी दी गई है। एजेंसी के विशेषज्ञ स्कूलों में जाकर बच्चों को वर्तमान में बेहतर करियर विकल्पों के बारे में जागरूक करेंगे। अभियान की शुरूआत 12 नवंबर से की जाएगी। इंटरमीडिएट करने के बाद बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं आज भी स्नातक, इंजीनियरिंग या मेडिकल की ओर रुख करना चाहते हैं। जबकि वर्तमान में सैकड़ों करियर विकल्प हैं। इन करियर विकल्प को अपनाने के लिए विशेष तरह के पाठ्यक्रम भी हैं। रोजगार के लिए युवाओं को तैयार करने के लिए जिलाधिकारी विजय किरन आनंद ने अभियान चलाकर युवाओं को भविष्य की राह दिखाने का निर्णय लिया। इसके लिए करियर गाइडेंस की दिग्गज एजेंसी से बात की गई है। एजेंसी के विशेषज्ञ छात्र-छात्राओं को उनकी अभिरुचि के अनुसार करियर की राह दिखाएंगे। जिला प्रशासन की ओर से समन्वय

की जिम्मेदारी बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत जिला समन्वयक प्रशिक्षण एवं समेकित शिक्षा विवेक जायसवाल को दी गई है। विवेक बताते हैं कि करियर गाइडेंस एजेंसी के विशेषज्ञ 550 तरह के करियर विकल्प के बारे में बच्चों को जानकारी देंगे। इस अभियान के बाद बच्चे अपने भविष्य को लेकर स्पष्ट हो सकेंगे। अभियान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अभी इसे छह राजकीय इंटर कालेजों एव 15 राजकीय हाईस्कूलों में संचालित किया जाएगा।

विवेक बताते हैं कि छात्र-छात्राओं की अभिरुचि जानने के लिए करियर गाइडेंस एजेंसी की ओर से डेढ़ घंटे का साइकोमेट्रिक टेस्ट लिया जाएगा। परिणाम के आधार पर छात्र-छात्राओं की अभिरुचि के बारे में जानकारी मिलेगी और इसी आधार पर उन्हें करियर विकल्प सुझाए जाएंगे। विशेषज्ञ डाटा के माध्यम से यह भी बताएंगे कि किस सेक्टर में आने वाले समय में कितनी रिक्तियां आने वाली हैं। उन रिक्तियों के लिहाज से पूर्वी उत्तर प्रदेश का क्षेत्र कितना महत्वपूर्ण है, इस बात की जानकारी भी दी जाएगी। इंटरमीडिएट के बाद छात्र-छात्राओं के सामने सही करियर विकल्प चयन की समस्या रहती है। परंपरागत रूप से वे कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में ही भविष्य तलाशते हैं जबकि 550 से अधिक करियर विकल्प हैं, जिनके लिए तैयार होकर वे बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इसके लिए स्कूलों में करियर गाइडेंस के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। शुरू में राजकीय स्कूलों से शुरू होने वाला यह अभियान अन्य स्कूलों तक भी विस्तारित होगा।

एक नज़र

फार्मूला वन कार रेस में हिस्सा लेने के लिए युवक ने चुरा ली जीजा की दो कार, जब पोल खुली तो पहुंचा जेल

गाजियाबाद (एजेंसी) पुलिस ने मंगलवार को वसुंधरा सेक्टर-तीन से अपने जीजा की दो कार चोरी करने वाले युवक को दबोचा है। उसके कब्जे से दोनों कार बरामद हो गई हैं। फार्मूला वन कार रेस में हिस्सा लेने के शौक में उसने वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की है। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी इंदिरापुरम अभय कुमार मिश्र ने बताया कि वसुंधरा सेक्टर-तीन के वरुण पाठक की घर की पार्किंग से अप्रैल में ईको स्पोर्ट और अक्टूबर में पोलो कार चोरी हो गई।

दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज करके जांच-पड़ताल शुरू की गई। सर्विलांस और मुखबिर की मदद से अहम जानकारी मिली। उसके आधार पर मंगलवार को वसुंधरा पुलिस चौकी प्रभारी यतेंद्र कुमार ने आरोपित को वसुंधरा लालबत्ती के पास से दबोच लिया। उसकी पहचान वरुण पाठक के सगे साले पुलकित शर्मा निवासी दयालपुर दिल्ली के रूप में हुई। उसके कब्जे से चोरी हुई दोनों कार बरामद हो गई। उसने दोनों कारों का नंबर प्लेट बदल दिया था। अभय कुमार मिश्र ने बताया कि आरोपित से पूछताछ की गई। उसने बताया कि उसे फार्मूला वन कार रेस का शौक है। उसी में हिस्सा लेने के उसे कार की जरूरत थी। इसके लिए उसने जीजा की कार चोरी करने की योजना बनाई। योजना के तहत अप्रैल में उनकी ईको स्पोर्ट कार की नकली चाबी बनवा ली। 23 अप्रैल को कैब से जीजा के घर के पास पहुंचा। नकली चाबी से उनकी कार चुराकर फरार हो गया। उसका नंबर प्लेट बदलकर कार रेस का अभ्यास करने लगा। उसे अपने घर के आसपास ही छिपाकर खड़ी कर देता था।

महंगी कार खरीदने के लिए दूसरी चोरी की अभय कुमार मिश्र ने बताया कि पुलकित ने पूछताछ में बताया कि रेस के लिए उसे महंगी स्पोर्ट कार की जरूरत थी। उसे खरीदने के लिए उसके पास रुपये नहीं थे। इस पर उसने अपने जीजा को पोलो कार खरीदवाई। उसकी भी नकली चाबी बनवा ली। 26 अक्टूबर को उस कार को भी पार कर दिया। वह दोनों कारों को बेचकर महंगी स्पोर्ट कार खरीदने के फिराक में था। इसके पहले उसे दबोच लिया गया।

दिल्ली में नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, विरोध करने पर पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी) द्वारका साउथ थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक ने युवती के साथ होटल में दुष्कर्म किया। विरोध करने पर पीड़ित युवती को जमकर पीटा गया। जब पीड़िता बेसुध हो गई तो आरोपित फरार हो गया। पुलिस को दिए बयान में पीड़िता ने कहा है कि अंकित नाम के युवक ने कहता था कि उसकी मां पुलिस अधिकारी है। अंकित ने उन्हें नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक होटल में बुलाया।

आरोप है कि यहां जबरन पीड़िता को शराब पिलाकर दुष्कर्म किया गया। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपित ने उनकी पिटाई की और लोहे की कड़े से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। होश आने पर पीड़ित ने होटल के कर्मचारियों से मदद मांगी, लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की। इसके बाद पीड़िता ने अपने मोबाइल से मामले की सूचना पुलिस को दी। लापरवाही सामने आने पर पुलिस ने होटल के प्रबंधक को गिरफ्तार किया है। वहीं, मोहन गार्डन थाना क्षेत्र में स्मैक लाने से मना करने पर एक युवक ने गुस्से में अपने दोस्त की मां प्रियंका की चाकू से वार कर हत्या कर दी और चाचा सन्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

पुलिस ने आरोपित लकी उर्फ लाखन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार महिला का बेटा आरोपित युवक का दोस्त था। सोमवार को लक्की ने उसे 400 रुपए देकर स्मैक लाने को कहा था। जिसका उनकी मां और चाचा ने विरोध किया। आरोप है कि लक्की ने चाकू से प्रियंका और सन्नी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर प्रियंका की हत्या कर दी।

किराये पर फ्लैट लेकर पांच सौ रुपये प्रति घंटा खिलवाते थे जुआ, पुलिस ने 17 लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) पूर्वी जिले के स्पेशल स्टाफ ने जुआ खेलने वाले 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। दो लोग मिलकर एक फ्लैट में पांच सौ रुपये प्रति घंटे के हिसाब से जुआ खेलवा रहे थे। स्पेशल स्टाफ ने छापेमारी कर जुआ खेलने वालों को रंगे हाथों दबोच लिया। गिरोह के सरगना की पहचान मोहित व राहुल के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के पास से 9.20 लाख रुपये व ताश के पत्ते बरामद किए हैं। गाजीपुर थाना पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जिला पुलिस उपायुक्त प्रियंका कश्यप ने बताया कि पुलिस ने सट्टा और जुआ खेलने वालों के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर सतेंद्र खारी के नेतृत्व में टीम बनाई हुई है। टीम को गुप्त सूचना मिली कि घड़ौली में एक फ्लैट में जुआ खेला जा रहा है। टीम ने फ्लैट पर छापा मारकर 17 लोगों को दबोच लिया। जांच में पुलिस को पता चला रोहित ने अपने चाचा का फ्लैट किराये पर लिया हुआ था, जहां रोहित अपने साथी मोहित के साथ मिलकर जुआ खेलवा रहा था। पांच सौ रुपये प्रति घंटा के हिसाब से जुआ खेलवाते थे, जुआ खेलने के लिए लोगों को ब्याज पर रकम भी दिया जाता था। उधर गाजीपुर इलाके में कार सवार चार युवकों ने एक दूध कारोबारी को पीट दिया। मारपीट के बाद कारोबारी की जेब से 47 हजार रुपये निकाल कर मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल ब्रह्मजीत सिंह उर्फ बिल्लू को अस्पताल में भर्ती करवाया।

पुलिस केस दर्ज कर आरोपितों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार ब्रह्मजीत खिचड़ीपुर गांव में रहते हैं। गाजीपुर डेयरी फार्म में उनका दूध का कारोबार है। वह अपने कर्मचारी शुभम को स्कूटी पर बैठाकर अपने घर जा रहे थे। जब वह गाजीपुर स्थित डीडीए फ्लैट के पास पहुंचे, उसी दौरान एक सफेद रंग की कार आई। उसमें चार युवक बैठे थे। आरोप है कि कार में सवार सलमान कुरैशी नाम का युवक उन्हें देखते ही गाली गलौज करने लगा। पीड़ित ने जब उससे गाली देने का कारण पूछा तो उसने अपने सिर को उनके चेहरे पर मारा, बाद में उनकी जेब में रखे 47 हजार रुपये निकाल लिए।

केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के अंदर के प्रदूषण को काबू करने के लिए उठाए पांच सख्त कदम : गोपाल राय

इन 10 विभागों में 550 टीमें गठित, 304 टीमें दिन में और 246 टीमें रात में पेट्रोलिंग कर ओपेन बर्निंग के मामलों को रोकेंगी : गोपाल राय

ग्रैप के तहत दिल्ली में डीजल जेनसेट व कोल भट्ठियां बंद करने, मेट्रो व बस के फेरे बढ़ाने, और आरडब्ल्यूए को अपने गार्डों को हीटर देने के निर्देश : गोपाल राय

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने दिल्ली वालों को प्रदूषण से यथा शीघ्र राहत प्रदान करने के लिए आज पांच सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिए गए।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली के अंदर के प्रदूषण को कम करने के लिए 11 नवंबर से 11 दिसंबर तक एंटी ओपेन बर्निंग कैंपेन चलाया जाएगा। 10 विभागों को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। इन विभागों ने 550 टीमें गठित की हैं, जिसमें 304 टीमें दिन में और 246 टीमें रात में पेट्रोलिंग कर ओपेन बर्निंग के मामलों को रोकेंगी। साथ ही,ग्रेप के तहत संबंधित विभागों को दिल्ली में डीजल जेनसेट व कोल भट्ठियां बंद करने, मेट्रो व बस के फेरे बढ़ाने और आरडब्ल्यूए से गार्डों को हीटर दिलाने के निर्देश दिए गए हैं। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि दिल्ली में एंटी डस्ट कैंपेन का दूसरा चरण 12 नवंबर से 12 दिसंबर तक चलाया जाएगा। इसके अलावा, दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में अब 400 टैंकर से पानी का छिड़काव किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जारी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने वाले विभागों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय ने दिल्ली सचिवालय में आज प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए काम कर रहे सभी विभागों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक के उपरांत उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के अंदर दिवाली के बाद से प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा था। आज प्रदूषण के स्तर में थोड़ा सा सुधार हुआ है, लेकिन अभी भी यह

बहुत खराब (वेरी पुअर) की श्रेणी में है। दिल्ली में दिवाली के बाद जो प्रदूषण बढ़ा, उसका मुख्य रूप से कारण दिवाली के दिन जलाए गए पटाखों और दिल्ली के आसपास के राज्यों खासतौर से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में जलाई जा रही पराली का धुंआ है। पटाखे और पराली के धुंए की वजह से दिल्ली के उपर एक स्मॉग की चादर छाई हुई है। अभी भी पड़ोसी राज्यों में पराली जलने की घटनाएं लगातार जारी है। हमने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से निवेदन किया था कि उनके नेतृत्व में राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों की एक संयुक्त बैठक की जाए। मुझे उम्मीद है कि केंद्र सरकार इस पर जल्द ही निर्णय लेगी, जिससे कि बाहर से पराली का जो प्रदूषण दिल्ली के अंदर आ रहा है, उसे कम किया जा सके। वहीं, दिल्ली के अंदर जो प्रदूषण है, उसे हम कैसे और कम कर सकते हैं, इस संबंध में आज मैंने दिल्ली के अलग-अलग विभागों के साथ संयुक्त बैठक की। बैठक में दिल्ली के सभी विभाग, तीनों एमसीसी व डीडीए के वरिष्ठ अधिकारी आदि मौजूद रहे। पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय ने कहा कि बैठक में मुख्य तौर पर हमने 5 निर्णय लिए हैं, जिससे दिल्ली के अंदर प्रदूषण को कम करने की लड़ाई को और तेज कर सकें। दिल्ली के अंदर मुख्य रूप से धूल का प्रदूषण, वाहनों का प्रदूषण, खुले में जलाए जा रहे कूड़े और पराली अगर जलती है, तो उससे प्रदूषण बढ़ता है। मुख्य रूप से यह चार स्रोत हैं, जो दिल्ली में प्रदूषण को बढ़ाते हैं। आज हमने निर्णय लिया है कि दिल्ली के आसपास के राज्यों मे जलाई जा रही पराली को हम अभी नहीं रोक पा रहे हैं, लेकिन दिल्ली के अंदर जगह-जगह जो खुले में कूड़ा आदि जलाया जा रहा है, उसको रोकने के लिए हम पूरे दिल्ली के अंदर 11 नवंबर से 11 दिसंबर तक एंटी ओपेन बर्निंग कैंपेन लांच कर रहे हैं। इसके लिए अलग-अलग 10 विभागों को जिम्मेदारी दी गई है। विभाग अपनी टीमें गठित कर अभियान का हिस्सा बनेंगे। यह संयुक्त अभियान होगा। इस अभियान में डीपीसीसी, ईडीएमसी, रेवेन्यू विभाग, डीडीए, एनडीएमसी, एसडीएमसी, विकास विभाग, डीएसआईडीसी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और डीसीबी शामिल हैं।

दिल्ली के अंदर अगर कहीं पर भी खुले में कूड़ा जल रहा हो, तो उसे रोकने के लिए यह विभाग संयुक्त रूप से काम करेंगे। इन 10 विभागों में 550 टीमें गठित की गई हैं। इन 550 टीमों को रात और दिन में बंटी होंगी। दिन में 304 टीमें दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में काम करेंगी और रात में 246 टीमें पेट्रोलिंग कर ओपेन बर्निंग के मामलों को रोकेंगी। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अगर खुले में कोई कूड़ा जलता हुआ दिखाई दे, तो उसकी दिल्ली ग्रीन एप पर अवश्य शिकायत करें, ताकि हम वार रूम के जरिए विभागो के साथ मिलकर इसको रोकने के लिए काम कर सकेंगे।

डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन की ओर से युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध अभियान के तहत दिल्ली में राहगीरी दिवस आयोजित किया जाएगा

राहगीरी फाउंडेशन और डब्ल्यूआरआई इंडिया के सहयोग से डीडीसी अगले तीन महीनों में छह राहगीरी दिवस आयोजित करेगा

राहगीर दिवस का पहला आयोजन बाल दिवस पर 14 नवंबर को सुबह 7 बजे से पटपड़गंज में होगा, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे

यह हमारा सामूहिक कर्तव्य है? कि व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर आगे आएं और प्रदूषण को कम करें : मनीष सिसोदिया

ध्रमेन्द्र सिंह लोधी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन (डीडीसी) की ओर से राहगीरी फाउंडेशन और डब्ल्यूआरआई इंडिया के सहयोग से राहगीरी दिवस का आयोजन किया जाएगा। दिल्ली में युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध थीम पर अगले तीन माह के भीतर छह राहगिरी दिवस आयोजित किए जाएंगे।

दिल्ली में पहले राहगीरी दिवस का आयोजन बाल दिवस पर 14 नवंबर को सुबह 7 बजे से 10 बजे तक पटपड़गंज में किया जाएगा। यह आयोजन बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड कार्यालय और सर्वोदय कन्या/बाल विद्यालय, पश्चिम विनोद नगर, पटपड़गंज के बीच स्थित सड़क पर होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया शामिल होंगे। इस दौरान दौड़ना, साइकिल चलाना, स्केटिंग करना, नुक्कड़ खेल, संगीत बैंड, पेंटिंग, नृत्य, प्रदर्शन कला, योग, एरोबिक्स, जुंबा आदि गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में दिल्ली के निवासी, बच्चे, कलाकार, फिटनेस विशेषज्ञ सहित अन्य लोग शामिल होंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा शुरू किए गए युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध अभियान के तहत किया जा रहा है।

जिससे की लोगों को वायु प्रदूषण को कम करने के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। जिसमें निजी वाहनों का उपयोग सप्ताह में कम से कम एक बार नहीं करने सहित अन्य गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जा सके। इस तरह के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य लोगों को कारों के बिना सड़कों का सुखद अहसास महसूस कराना है।

इस तरह की गतिविधियों के लिए सड़कों और सार्वजनिक स्थानों के निर्माण से स्वास्थ्य, फिटनेस, एकजुटता और आनंद को बढ़ावा मिलता है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह हमारा सामूहिक कर्तव्य है? कि व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर आगे आएं और प्रदूषण को कम करें। ट्रैफिक सिग्नल पर वाहनों को बंद करने और सार्वजनिक परिवहन से यात्रा करने जैसे छोटे कदम उठाकर एक स्वस्थ दिल्ली की नींव तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार सड़कों को सुरक्षित और सार्वजनिक परिवहन को सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली में वाहनों के प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार कड़ी मेहनत कर रही है। दिल्ली डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन के उपाध्यक्ष जस्मीन शाह ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल की ओर से शुरू किए गए युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध अभियान का मुख्य पहलू सस्टेनेबल मोबिलिटी को बढ़ावा देकर प्रदूषण को कम करना है। राहगीरी फाउंडेशन 2013 से सस्टेनेबल मॉबिलीटी, सुरक्षित सड़क और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दों पर लोगों को साथ लाने के मॉडल पर काम कर रहा है। हमारे लिए खुशी की बात है कि डीडीसीडी ने उनके साथ करार किया है।

इस संदेश को दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में तीन महीनों में 6 कार्यक्रमों के माध्यम से पहुंचाया जाएगा। राहगीरी लोगों की कार-मुक्त पहल है जो सुरक्षित, सुलभ और समावेशी सार्वजनिक सड़कों की वकालत करती है। राहगिरी दिवस लोगों को सामूहिक रूप से सड़कों को सार्वजनिक स्थान बनाने के लिए प्रेरित करता है। राहगीरी फाउंडेशन की सह-संस्थापक और ट्रस्टी सारिका पांडा भट्ट ने कहा कि जब लोग वास्तव में यह महसूस कर सकते हैं कि सार्वजनिक स्थानों का आनंद लेना है, तब वे इसकी अधिक मांग करते हैं। लोगों की जागरूकता और इच्छा, सड़कों पर बदलाव लाने में बड़ी भूमिका निभा सकती है।

चौहान बांगर में उर्दू डे का आयोजन

नई दिल्ली (ओपन सर्च)। उर्दू के महान शायर व सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा के रचीयता अल्लामा इकबाल की जयंती पर आम आदमी पार्टी माइनॉरिटी विंग की ओर से श्रद्धांजलि सभा व उर्दू डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माइनॉरिटी विंग दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष व विधायक मुस्तफाबाद हाजी यूनुस ने की जबकि कार्यक्रम का संचालन माइनॉरिटी विंग दिल्ली प्रदेश के सोशल मीडिया इंचार्ज मतलूब राणा ने किया।

चौहान बांगर में आयोजित इस कार्यक्रम में माइनॉरिटी कमिशन के चेयरमैन जाकिर खान, दिल्ली राज्य हज समिति के पूर्व चेयरमैन डॉ परवेज मियां, सीलमपुर वार्ड से निगम पार्षद पति हाजी अफजाल, माइनॉरिटी विंग दिल्ली प्रदेश के प्रवक्ता इमरान हसन, जिलाध्यक्ष महबूब मलिक, विधानसभा अध्यक्ष अख्तर सिद्दीकी, विधान सभा संगठन मंत्री अनिल जैन,

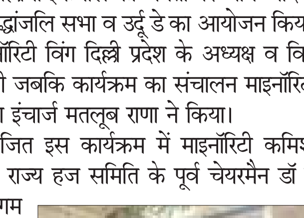

बब्बू मलिक, जावेद खान, चौ सलाहुद्दीन, प्रोफेसर नदीम, हाजी रईस आदि नेतागण इस कार्यक्रम में बतौर अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक हाजी यूनुस ने कहा कि आज पूरे विश्व में उर्दू दिवस मनाया जा रहा है ऐसे में यह जरूरी है कि हम सब लोग प्रण लें कि अपने दैनिक जीवन में उर्दू बोल चाल व उर्दू लिखने पढ़ने को आम बनाएं ताकि उर्दू भाषा का संरक्षण किया जा सके। उन्होंने उर्दू को बाकी रखने के लिए उर्दू अखबार, उर्दू शायर व मदरसों के योगदान की भी प्रशंसा की।

इस अवसर पर मतलूब राणा ने बताया कि आम आदमी पार्टी के माइनॉरिटी विंग की ओर से समाज के बुजुर्गों को श्रद्धांजलि देने का सिलसिला शुरू किया गया है साथ ही उर्दू भाषा के विकास के लिए दिल्ली सरकार की अगुवाई में उर्दू अकादमी बहुत ही सकारात्मक प्रयास कर रही है, इसके लिए उर्दू लर्निंग सेंटर स्थापित किए गए हैं। प्रदेश प्रवक्ता इमरान हसन ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए आह्वान किया कि समाज के लिए योगदान देने वाले महापुरुषों की जीवनी व उनके योगदान को ज़रूर पढ़ने की आदत डालें।

डीयू प्राचार्यो पर कार्रवाई के पत्र से शिक्षक संगठन खफा

नई दिल्ली (एजेंसी) प्रो. योगेश सिंह ने अक्टूबर महीने में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति का पद संभाला। शिक्षक संगठनों ने उम्मीद जताई थी कि नए कुलपति डीयू के दिल्ली सरकार द्वारा 12 वित्तपोषित कालेजों के वेतन मसले का स्थायी समाधान करेंगे। इस उम्मीद के पीछे प्रो. योगेश सिंह का दिल्ली सरकार के विश्वविद्यालय में लंबे समय तक कुलपति का कार्यभार संभालना बड़ी वजह थी।

लेकिन, प्रो. योगेश सिंह के कार्यभार संभालने के एक महीने के भीतर ही इन 12 कालेजों में वेतन संबंधी विवाद सुलझने के बजाय और उलझता ही जा रहा है। अब तो उच्च शिक्षा निदेशालय ने 12 कालेजों के प्राचार्यो के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा तक कर डाली है। निदेशालय के पत्र के बाद डीयू ने कालेजों से अब तक पत्र व्यवहार की पूरी जानकारी मांगी है। शिक्षक संगठन कार्रवाई वाले पत्र से खासे नाराज हैं। दिल्ली विवि शिक्षक संघ (डूटा) ने एक बयान जारी कर कहा कि प्राचार्य और शिक्षकों को निशाना बनाया जा रहा है। निदेशालय अनुदान जारी करने में विफल रहा है। डूटा ने कहा है कि दिल्ली सरकार जिन नियमों का हवाला देकर प्राचार्यो और शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा कर रही है वह नियम दरअसल केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों पर लागू ही नहीं होते। डूटा ने अपने बयान में कुलपति प्रो. योगेश सिंह पर भी निशाना साधा है। कहा कि कुछ दिन पूर्व ही नए कुलपति को वस्तु स्थिति से अवगत कराया गया था, लेकिन ऐसा लगता है कि वह भी शिक्षकों को ही दोषी करार दे रहे हैं।

नशीली दवाओं से मुक्त बचपन के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की जरूरत : राजेंद्र गौतम

10-11 साल के बच्चे भी मादक पदार्थों के सेवन के शिकार हो रहे, यह माता-पिता व स्कूलों से लेकर प्रवर्तन एजेंसियों की विफलता है : राजेंद्र पाल गौतम

नशीली दवाओं के शिकार बच्चों के पुनर्वास के साथ ही उनके परिवारों को उचित परामर्श देने की आवश्यकता है : राजेंद्र पाल गौतम

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली के महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने 'सूर्योदय' योजना की प्रगति और क्रियान्वयन को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर समीक्षा की। यह योजना राष्ट्रीय राजधानी में विशेष रूप से युवाओं के बीच पुनर्वास के माध्यम से नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए लाई गई है। इस बैठक में डॉ. रश्मि सिंह, (आईएएस) विशेष सचिव व सह निदेशक, एससी वत्स, संयुक्त निदेशक, प्रख्यात मनोचिकित्सक डॉ. जितेंद्र नागपाल,

विशेष शिक्षक सह मनोवैज्ञानिक डॉ. मुदिता यादव व डॉ राजेश सहित संबंधित गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने बैठक में 'सूर्योदय' योजना को प्रभावी रूप से लागू करने और इसके कार्यान्वयन पर चिंता जताई। इस दौरान मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने मादक पदार्थों के सेवन से पीडित युवाओं और उनके परिवारों के सफलता पूर्वक पुनर्वास की जरूरत पर बल दिया। मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि इस देश के युवा मादक द्रव्यों के सेवन के शिकार हो रहे हैं। 10 और 11 वर्ष की आयु के बच्चे भी मादक पदार्थों के सेवन के शिकार हो रहे हैं।

इनका मादक पदार्थों के सेवन का शिकार होना, माता-पिता और स्कूलों से लेकर प्रवर्तन एजेंसियों तक बड़े पैमाने पर समाज की विफलता है। उन्होंने कहा कि हमें नशीली दवाओं से मुक्त बचपन के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की जरूरत है। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने आगे कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से पीड़ितों के पुनर्वास के लिए सभी एजेंसियों की ओर से सर्वोत्तम कार्यक्रमों की प्रभावी निगरानी, मूल्यांकन और कार्यान्वयन करना महत्वपूर्ण है। शिक्षा, सामाजिक न्याय, पुलिस और कानून प्रवर्तन सहायता और बाल अधिकार आयोग जैसे विभिन्न विभागों के सभी हितधारकों को आपस में समन्वय बनाकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी एजेंसियों को एक साथ आना चाहिए और 'सूर्योदय' योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए मिलकर काम करना चाहिए। हमें न केवल नशीली दवाओं के शिकार बच्चे का पुनर्वास करने की आवश्यकता है, बल्कि उनके परिवारों को परामर्श भी प्रदान करना है।

गढ़वाल हितैषिणी सभासंस्था के चुनाव संपन्न हुए अजय सिंह बिष्ट अध्यक्ष बने

राजू बोहरा.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली में रह रहे उत्तराखंड के प्रवासियों द्वारा वर्ष 1923 में बनाई गई सामाजिक संस्था गढ़वाल हितैषिणी सभा दिल्ली-एनसीआर की सबसे पुरानी व सबसे बड़ी संस्था है। करीब 98 साल पूर्ण कर चुकी इस संस्था के पास वर्तमान में 4 हजार से अधिक सदस्य हैं।

7 नवम्बर (रविवार) को दिल्ली के पंचकुयाँ रोड़ स्थित गढ़वाल भवन में गढ़वाल हितैषिणी सभा की नई कार्यकारिणी के आम चुनाव सम्पन्न हुए। जिसमे मुख्य रूप से दो दलों पैनल न. 1 तथा पैनल न. 2 के बीच चुनाव हुआ। इसके लिए पिछले कई दिनों से जोर शोर से तैयारियां चल रही थी। आज सुबह 9 बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू हुई और शाम 5 बजे तक चली। जिसमे करीब 32 प्रतिशत मतदान हुआ। कुल 4325 सदस्यों में से 1379 सदस्यों ने इस चुनाव प्रक्रिया में अपने मत का प्रयोग किया। देर शाम करीब 8 बजे से चुनाव परिणाम जारी किये गए। चुनाव के परिणाम एकतरफा रहे, पैनल न.1 के सभी प्रत्याशी विजयी हुए, जबकि पैनल न.2 के खाते में एक भी सीट नहीं गई। अध्यक्ष पर पैनल न.1 के उम्मीदवार अजय सिंह बिष्ट ने जीत हासिल की। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी शैलेन्द्र सिंह नेगी को 349 मतों से हराया। वहीं महासचिव पद भी पैनल न.1 के द्वारिका प्रसाद भट्ट ने जीत हासिल की।

उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी व निवर्तमान महासचिव पवन कुमार मैठाणी को 200 मतों से हराया। नई कार्यकारिणी इस प्रकार है अजय सिंह बिष्ट अध्यक्ष, जय सिंह राणा उपाध्यक्ष, द्वारिका प्रसाद भट्ट महासचिव, दीपक द्विवेदी सचिव, गुलाब सिंह जयाड़ा कोषाध्यक्ष, अनिल कुमार पंत उप कोषाध्यक्ष, मुरारी लाल खंडूड़ी संगठन सचिव, संयोगिता ध्यानी सांस्कृतिक सचिव, मनोरमा भट्ट साहित्यिक सचिव,भगवान सिंह नेगी खेल सचिव!

दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में बेतहाशा बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी) महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों को प्राथमिकता पर लेने वाले दिल्ली पुलिस के दावे इस साल फिर हवाई साबित होकर रह गए। राजधानी में इस साल महिलाओं से संबंधित सभी तरह के अपराध में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल की तुलना में दुष्कर्म में 20 फीसद की वृद्धि हुई है। दिल्ली पुलिस के आंकड़े अपराध रोकने के तमाम प्रयास फेल बता रहे हैं। वर्ष 2020 के मुकाबले 2021 में छेड़छाड़, दहेज प्रताड़ना की घटनाओं में 30 से 40 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। अपराध का यह आंकड़ा ऐसे समय में बढ़ा है, जब डेढ़ माह तक दिल्ली में कोरोना के चलते लाकडाउन लगा हुआ था। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी किए गए आंकड़े बताते हैं कि महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस द्वारा उठाए गए कदम कितने कारगर हैं।

मल्टीपर्पस ट्रेडिंग एंड एजेंसीज लिमिटेड

(CIN Number-L70101DL2002PLC115544)

पंजी. कार्यालय बी-1, कालंदी कॉलोनी, नई दिल्ली-110065 फोन/फैक्स 011-26316162, 011-26913899

वेबसाइट: www.multipurposetrading.in ई-मेल: info@multipurposetrading.in

30/09/2021 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणामों का सार

[सेबी (LODR) विनियम, 2015 के विनियमन 47 (1) (बी) देखें] (₹ लाखों में)

क्र. सं.	विवरण	31-03-2021 को समाप्त तिमाही	01-04-2020 से 31-03-2021 वर्ष आंकड़े	30-09-2020 पिछले वर्ष की समरूप समाप्त तिमाही
1	कुल आय	8.17	16.27	5.22
2	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि), (कर से पहले असाधारण और/या असाधारण विवरण)	4.89	10.21	4.09
3	कर से पहले की अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असाधारण वस्तुओं के बाद)	4.89	10.21	4.09
4	कर के बाद की अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असाधारण वस्तुओं के बाद)	4.89	10.21	4.09
5	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [अवधि हेतु सम्मिलित लाभ/(हानि) (कर के पश्चात)]	4.89	10.21	4.09
6	इक्विटी शेयर कैपिटल	495.00	495.00	495.00
7	पिछले वर्ष की ऑडिटेड बैलेंस शीट में दर्शाई गई आरक्षित निधियां (रिवेल्यूएशन रिजर्व को छोड़कर)	(53.85)	(53.85)	(9.48)
8	प्रति शेयर आय (जारी और बंद किए गए संचालन के लिए) – 1. बेसिक: 2. डिल्यूटिड:	0.099 0.099	0.206 0.206	0.083 0.083

नोट:

क) उपरोक्त परिणाम की लेखापरीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई है और निदेशक मंडल द्वारा 8 नवंबर, 2021 को आयोजित उनकी बैठक में अनुमोदित किया गया है।

बी) उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर त्रैमासिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक उद्धरण है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप वेबसाइटों पर उपलब्ध है। स्टॉक एक्सचेंज (ओं) और कंपनी की वेबसाइट यानी https://www.multipurposetrading.in पर।

ग) "नियत लाभ/(हानि) कर पश्चात की अवधि के लिए जिसमें विशेष वर्ष का निवेश शामिल है"

कृते मल्टीपर्पस ट्रेडिंग एंड एजेंसीज लिमिटेड

हस्ता/-

जितेंद्र कु. चौरसिया

कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी

सदस्यता संख्या A38785

स्थान: दिल्ली

दिनांक: 08.11.2021

सम्पादकीय
ओपन सर्च

आसियान का संदेश

दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन आसियान का 39वां शिखर सम्मेलन सदस्य देश म्यांमा की गैर-मौजूदगी में संपन्न हो गया। ऐसा नहीं कि म्यांमार इसमें शिरकत नहीं करना चाहता था, पर आसियान संगठन ने ही उसे सम्मेलन से दूर रखा। म्यांमार के सैन्य शासक मिन आंग लेंग के लिए यह एक बड़ा झटका है। म्यांमार को आसियान का यह संदेश है कि लोकतंत्र के बिना क्षेत्रीय सहयोग संभव नहीं है। हालांकि म्यांमार को लेकर आसियान सदस्य देशों में भी एक राय नहीं है, लेकिन लोकतांत्रिक प्रभाव वाले सदस्य देशों ने म्यांमार के सैन्य शासन को साफसंकेत दे दिया है कि जब तक वह लोकतंत्र बहाली के लिए कदम नहीं उठाता, तब तक उसे ऐसा बहिष्कार झेलना पड़ सकता है।

इस बार आसियान की सालाना बैठक इस लिहाज से ज्यादा महत्वपूर्ण रही कि बैठक को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी संबोधित किया। उन्होंने भाषण में चीन व म्यांमार की नीतियों को लेकर चिंता जताई। आसियान के उन सदस्य देशों जहां लोकतंत्र खासा मजबूत है, ने म्यांमार के सैन्य शासन के प्रति खुल कर अपनी नाराजगी जताई। क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं उनके यहां भी इस तरह तानाशाही की प्रवृत्ति न उभरने लगे। आसियान के सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपीन और सिंगापुर पूर्ण लोकतांत्रिक देश हैं जहां सरकारें चुनी जाती हैं। सेना पूर्णरूप से निर्वाचित सरकार के अधीन काम करती है। इसलिए इन्हीं चार देशों ने म्यांमा के सैन्य शासन को लेकर ज्यादा नाराजगी दिखाई और उस पर लोकतंत्र बहाली के लिए दबाव बना रखा है। पर म्यांमार के सैन्य शासक इन देशों की अपील को अनदेखी कर रहे हैं। दरअसल आसियान के सदस्य देश और म्यांमा के पड़ोसी थाईलैंड का रवैया म्यांमार को लेकर स्पष्ट नहीं है।

इस बार आसियान की सालाना बैठक इस लिहाज से ज्यादा महत्वपूर्ण रही कि बैठक को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी संबोधित किया। उन्होंने भाषण में चीन व म्यांमार की नीतियों को लेकर चिंता जताई। आसियान के उन सदस्य देशों जहां लोकतंत्र खासा मजबूत है, ने म्यांमार के सैन्य शासन के प्रति खुल कर अपनी नाराजगी जताई। क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं उनके यहां भी इस तरह तानाशाही की प्रवृति न उभरने लगे। आसियान के सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपीन और सिंगापुर पूर्ण लोकतांत्रिक देश हैं जहां सरकारें चुनी जाती हैं।

थाईलैंड में भी लोकतंत्र पर सेना हावी है। यहां भी सेना द्वारा तख्तापलट का इतिहास रहा है। 2014 में थाईलैंड में सेना ने तख्तापलट दिया था। फिर 2016 में थाईलैंड की सेना ने सहूलियत के हिसाब से नया संविधान बनाया, जिसमें देश पर सेना की पकड़ को और मजबूत कर दिया गया। हालांकि आसियान जैसे क्षेत्रीय संगठन के स्थापित सिद्धांत में स्पष्ट किया गया है कि इसके सदस्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। यही कारण है कि आसियान के सदस्य देश इस बात को लेकर अभी तक एक राय नहीं बना पाए हैं कि अगर किसी सदस्य देश की सीमा में घटी किसी राजनीतिक घटना या सत्ता परिवर्तन से क्षेत्रीय शांति प्रभावित होती हो तो उससे कैसे निपटा जाए। कुछ सदस्य देश म्यांमार के प्रति सख्त हैं, तो कुछ का रवैया नरम है।

लंबे समय बाद म्यांमार में लोकतंत्र बहाली और लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की सत्ता वापसी से लोकतंत्र मजबूत होने के संकेत मिलने लगे थे। पर लोकतांत्रिक सरकार सेना के दखल से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाई थी। महत्वपूर्ण मंत्रालय सेना के पास ही थे। सेना शासन पर पूरा नियंत्रण हासिल करने की कोशिश में थी और अंततः सेना तख्तापलट से ऐसा करने में कामयाब हो गई। इस घटना से पड़ोसी देशों का प्रभावित होना स्वाभाविक था। म्यांमार में जब लोकतंत्र था तब भी सेना बेलगाम थी। तख्तापलट के बाद देश के रखाइन प्रांत में अल्पसंख्यक रोहिंग्या मुसलमानों का दमन हुआ। इस प्रांत के संसाधनों और भूमि पर सेना की कंपनियों और इसके साथ कारोबार करने वाली विदेशी कंपनियों की नजर थी। रोहिंग्या मुसलमानों के दमन का असर यह हुआ कि लाखों रोहिंग्या मुसलमानों को बांग्लादेश, भारत, नेपाल, थाईलैंड में शरण लेने को मजबूर होना पड़ा। रोहिंग्या शरणार्थियों से सबसे ज्यादा प्रभावित बांग्लादेश है। इस समय वहां नौ लाख रोहिंग्या शरणार्थी हैं। इसका असर बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर भी पडने लगा है। थाईलैंड में एक लाख से ज्यादा रोहिंग्या शरणार्थी हैं। भारत, इंडोनेशिया, नेपाल जैसे देशों में रोहिंग्या शरणार्थियों ने शरण ली।

सशस्त्र सेना दिवस पर आयोजित सैन्य परेड में चीन, रूस, पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम, लाओस और थाईलैंड के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। ऐसे में यह माना जा सकता है कि भारत का यह कदम रणनीतिक हो। लेकिन इस कार्यक्रम में वियतनाम, लाओस और थाईलैंड के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। ये सारे आसियान के सदस्य देश हैं। बांग्लादेश जो रोहिंग्या लोगों के बोझ से परेशान है, उसने भी रणनीति के तहत म्यांमार के सैन्य शासकों के प्रति नरम रुख अपना रखा है। भारत और बांग्लादेश की म्यांमार संबंधी कूटनीति में चीन शामिल है।

प्राकृतिक प्रणालियों पर प्रहार करता जलवायु परिवर्तन

डॉ.शंकर सुवन सिंह

करोड़ों वर्ष पूर्व पृथ्वी एक तपता (आग)हुआ गोला थी। जैसे जैसे समय बीतता गया तपते हुए गोले से सागर,महाद्वीपों आदि का निर्माण हुआ। पृथ्वी पर अनुकूल जलवायु ने मानव जीवन तथा अन्य जीव सृष्टि को जीवन दिया जिससे इन सबका जीवन-अस्तित्व कायम रखने वाली प्रकृति का निर्माण हुआ। मानव प्रकृति का हिस्सा है। प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है - प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ/उत्तम) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है।

प्रकृति दो प्रकार की होती है- प्राकृतिक प्रकृति और मानव प्रकृति। प्राकृतिक प्रकृति में पांच तत्व- पृथ्वी,जल,अग्नि,वायु और आकाश शामिल हैं। मानव प्रकृति में मन, बुद्धि और अहंकार शामिल हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। प्रकृति की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह अपनी चीजों का उपभोग स्वयं नहीं करती। जैसे-नदी अपना जल स्वयं नहीं पीती,पेड़ अपने फल खुद नहीं खाते,फूल अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैला देते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि प्रकृति किसी के साथ भेदभाव या पक्षपात नहीं करती,लेकिन मनुष्य जब प्रकृति से अनावश्यक खिलवाड़ करता है तब उसे गुस्सा आता है। जिसे वह समय-समय पर सूखा, बाढ़,सैलाब,तूफान के रूप में व्यक्त करते हुए मनुष्य को सचेत करती है। जल,जंगल और जमीन विकास के पर्याय हैं। जल,जंगल और जमीन जब तक है तब तक मानव का विकास होता रहेगा। मानव जो छोड़ते हैं उसको पेड़-पौधे लेते हैं और जो पेड़-पौध छोड़ते हैं उसको मानव लेते हैं। जल,जंगल और जमीन से ही जीवन है। जीवन ही नहीं रहेगा तो विकास अर्थात बिजली,सड़क,आदि किसी काम के नहीं रहेंगे। जल,जंगल और जमीन को संरक्षित करने लिए मन का शुद्ध होना बहुत जरुरी है। मन आतंरिक पर्यावरण का हिस्सा है। जल,जंगल और जमीन वाह्य (बाहरी) पर्यावरण का हिस्सा है। हर धर्म ने माना प्राकृतिक विनाश से विकास संभव नहीं है। जलवायु पर्यावरण को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कारक है,क्योंकि जलवायु से प्राकृतिक वनस्पति,मिट्टी,जलराशि तथा जीव जन्तु

प्रभावित होते हैं। जलवायु मानव की मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव डालती है। मानव पर प्रभाव डालने वाले तत्वों के जलवायु सर्वाधिक प्रभावशाली है क्योंकि यह पर्यावरण के अन्य कारकों को भी नियंत्रित करती है। विश्व में जलवायु परिवर्तन चिंता का विषय बना हुआ हैद्य शहरों का भौतिक विकास जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण है। जल प्रदूषण,वायु प्रदूषण,भूमि प्रदूषण,औद्योगिक प्रदूषण,विकिरण प्रदूषण रूपी दैत्यों ने पृथ्वी की जलवायु को पूर्णतः बदल दिया है। दीपावली के त्यौहार में पटाखों का खूब जम कर इस्तेमाल हुआ नतीजा वायु प्रदुषण। किसी भी त्यौहार का उल्लास मनाने में यदि हमारा वातावरण दूषित होता है तो इससे मानव प्रकृति और प्राकृतिक प्रकृति दोनों ही प्रभावित होती हैं। प्रकृति का पूरे मानव जाति के लिए एक सामान व्यवहार होता है। प्रकृति का सम्बन्ध धर्म विशेष से नहीं होता। अतएव सभी मानव जाति को प्रकृति को अपना मूल अस्तित्व समझना चाहिए। शुद्ध पेय जल मानव जाती एवं जीव जंतु सभी के लिए एक आवश्यक तत्व है। सृष्टि जीवन के प्रारम्भ में जल निर्मल था,वायु स्वच्छ थी,भूमि शुद्ध थी एवं मनुष्य के विचार भी शुद्ध थे। हरी-भरी इस प्रकृति में सभी जीव-जन्तु तथा पेड़-पौधे बड़ी स्वच्छन्दता से पनपते थे। चारों दिशाओं मे ''वसुधैव कुटुम्बकम'' का वातावरण था तथा प्रकृति भली-भाँति पूर्णतः सन्तुलित थी। किन्तु जैसे-जैसे समय बीता,मानव ने विकास और अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उसने शुद्ध जल,शुद्ध वायु तथा अन्य नैसर्गिक संसाधनों का भरपूर उपभोग किया। मनुष्य की हर आवश्यकता का समाधान निसर्ग ने किया है, किन्तु बदले में मनुष्य ने प्रदूषण जैसी कभी भी खत्म न होने वाली समस्या पैदा कर दी है। वर्षा के जल को प्रकृति द्वारा एक नियत समय पर,नियत मात्रा में हम प्राप्त करते हैं। अतः इसका संरक्षण करना भी हमारे लिए अति आवश्यक प्रक्रिया होनी चाहिए। वर्ष 2019 में हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद मोदी जी ने देश भर के ग्राम प्रधानों एवं मुखिया को पत्र लिख के वर्षा जल संगृहीत करने की अपील की थी। यह पहला मौका था जब ग्राम प्रधानों को किसी प्रधानमंत्री ने जल संचयन के लिए पत्र लिखा था। संरक्षण के आभाव में वर्षा से प्राप्त जल बह जाता है या वाष्पित हो के उड़ जाता है। हमारे देश में वर्षा पर्याप्त मात्रा में होती है। फिर भी हम पानी का संकट झेलते हैं। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया के लगभग 1.4 अरब लोगों को शुद्ध-पेयजल उपलब्ध नहीं है। नीति आयोग द्वारा वर्ष 2019 में जारी समग्र जल प्रबंधन सूचकांक (सी डब्लू एम् आई) रिपोर्ट के अनुसार देश में 60 करोड़ लोग पानी की गंभीर किल्लत का सामना कर रहे हैं। करीब दो लाख लोग स्वच्छ पानी ना मिल पाने के वजह से हर साल जान गवां देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2030 ई. तक देश में पानी की मांग,उपलब्ध जल वितरण की दुगनी हो जाएगी। जिसका मतलब है की करोंड़ो लोगो में पानी का गंभीर संकट पैदा हो जायेगा और देश में जीडीपी में 6 प्रतिशत की कमी देखी जाएगी। स्वतंत्र संस्थाओ द्वारा जुटाए गए डाटा का उद्धरण देते हुए रिपोर्ट में दर्शाया गया है कि करीब 70 प्रतिशत प्रदूषित पानी के साथ भारत जल गुड़वत्ता सूचकांक में 122 देशो में 120 नंबर पर है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों की भौगोलिक स्थितियां अलग हैं। वर्षा काल में जहां भारत के एक हिस्से में बाढ़ के हालात होते हैं वहीँ दूसरे हिस्से में भयंकर सूखा की स्थिति होती है। कई क्षेत्रों में मूसलाधार वर्षा होने के बावजूद लोग एक - एक बूँद पानी के लिए तरसते हैं। कई स्थानों में तो संघर्ष की स्थिति हो जाती है। इसका प्रमुख कारण है वर्षा के जल का सही प्रकार से संचयन न करना। जिससे पानी बह कर प्रदूषित हो जाता है। प्रकृति के संसाधनों को लेकर हम यह सोचते हैं की यह कभी खत्म नहीं होगा।

जिससे जल भण्डारण धीरे धीरे खत्म होने की कगार पर है। इसलिए यह आवश्यक हो गया है की हम जितना पानी प्रकृति से जल भण्डारण के रूप में लेते हैं उतना उसको वापस भी करें। विश्व में प्रत्येक वर्ष के 10 नवंबर को विश्व विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस बार विश्व विज्ञान दिवस 2021 की थीम/प्रसंग है - जलवायु के लिए तैयार समुदायों का निर्माण (बिल्डिंग क्लाइमेट- रेडी कम्युनिटीज)। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य शांतिपूर्ण और टिकाऊ समाज के लिए विज्ञान की भूमिका के बारे में जन जागरूकता को मजबूत करना है। विश्व विज्ञान दिवस पर यूनेस्को कलिंग अवार्ड भी दिया जाता है। जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में विज्ञान की अहम् भूमिका होती है। अतएव समाज को विज्ञान से जोड़ने और समाज को विज्ञान के करीब लाने की आवश्यकता है। जलवायु विज्ञान के बारे में समुदायों को जागरूक होना होगा। जलवायु किसी स्थान के वातावरण की दशा को व्यक्त करने के लिये प्रयोग किया जाता है। यह शब्द मौसम के काफी करीब है। जलवायु और मौसम में कुछ अन्तर है।

चीन की तरह अपनी सर्जरी करे भारत

भरत झुनझुनवाला

चीन इस समय तीन संकटों से जूझ रहा है। पहला संकट बेल्ट एंड रोड परियोजना या बीआरआई का है। बीते दो दशकों में चीन ने संपूर्ण विश्व को माल निर्यात किया है और चीन को भारी मात्रा में आय हुई है। इस रकम का निवेश करना जरूरी था। चीन ने इसका उपयोग बीआरआई में किया है। इससे चीन के निर्यातकों को और आसानी होगी क्योंकि चीन का माल दूसरे देशों में आसानी से पहुंच सकेगा। साथ-साथ चीन की निर्माण कंपनियों को भी बड़े ठेके मिलेंगे। लेकिन दूसरे देशों पर बीआरआई का प्रभाव संदिग्ध है।

विश्व बैंक के अनुसार चीन से यूरोप को जाने वाली बीआरआई पर कजाखस्तान और पोलैंड में निर्माण की गतिविधियां बढ़ी हैं। लेकिन बीआरआई में भ्रष्टाचार व्याप्त है। चीन की नौकरशाही द्वारा परियोजनाओं की लागत को बढ़ा-चढ़ा कर बताया जाता है और पर्याप्त रकम का रिसाव कर लिया जाता है। इस दृष्टि से मलेशिया के प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद ने बीआरआई को 'नया उपनिवेशवाद' बताया है। म्यांमार ने कुछ एक बंदरगाह परियोजना को निरस्त किया है। अन्य तमाम देशों ने परियोजनाओं के आकार में बदलाव की मांग की है। इसलिए बीआरआई के दो परस्पर विरोधी संकेत उपलब्ध हैं। एक तरफ कजाखस्तान और पोलैंड जैसे देशों को लाभ हो रहा है, जबकि दूसरी तरफ मलेशिया जैसे देश इसका विरोध कर रहे हैं। इन दोनों परस्पर विरोधी संकेतों के बीच चीन को बीआरआई की सर्जरी करनी होगी जिसमें कि केवल कुशल परियोजनाओं को लागू किया जाए और परियोजनाओं में रिसाव पर नियंत्रण किया जाए। फिलहाल चीन यह सर्जरी नहीं कर रहा है, इसलिए बीआरआई पर संकट विद्यमान रहने की संभावना है। चीन का दूसरा संकट एवरग्रैंड नाम की कंस्ट्रक्शन कंपनी और दूसरी इसी तरह की विशाल कंपनियों का है। इन कंपनियों ने भारी मात्रा में लोन लिए थे। एवरग्रैंड ने भारी मात्रा में बहुमंजिले रिहायशी मकान बनाए, लेकिन कोविड संकट के कारण इनकी बिक्री नहीं हो सकी। फलस्वरूप यह कंपनी लोन से दब गई और समय के अनुसार रिपेमेंट नहीं कर पा रही थी। इस तरह की कंपनियों के डूबने से संपूर्ण अर्थव्यवस्था में संकट पैदा न हो, इसलिए शी जिनपिंग ने नियम बनाया कि किसी भी कंपनी को लोन तब ही दिए जाएंगे जब वे तीन शर्तों को पूरा करेंगी। पहली शर्त थी कि कंपनी की कुल संपत्ति, कंपनी के द्वारा लिए गए कुल लोन से अधिक होनी चाहिए। दूसरी शर्त थी कि कंपनी के पास अल्प समय में लोन के रिपेमेंट को जितनी रकम की जरूरत है, उससे अधिक नगद उपलब्ध होना चाहिए। तीसरी शर्त थी कि कंपनी के अपनी पूंजी या शेयर कैपिटल की तुलना में लिया गया लोन कम होना चाहिए। जिन कंपनियों द्वारा इन तीनों शर्तों को पूरा किया जाता था, केवल उन्हीं को बैंक लोन दे सकते थे। एवरग्रैंड इन तीनों ही शर्तों को पूरा नहीं कर सकी। फलस्वरूप एवरग्रैंड को नए लोन नहीं मिल सके। वह लिए गए लोन का रिपेमेंट नहीं कर सकी क्योंकि उसके द्वारा बनाए गए रिहायशी मकान बिक नहीं रहे थे। इस संकट से उबरने के लिए एवरग्रैंड को अपनी संपत्तियों को कम मूल्य पर बेचना पड़ा। बल्कि चीन की सरकार ने सार्वजनिक इकाइयों को आदेश दिए कि एवरग्रैंड की संपत्तियों को वे कम दाम पर खरीद सकते हैं। इस प्रकार भारी भरकम लोन से दबी हुई एवरग्रैंड कंपनी को अपनी संपत्तियां बेचकर अपने को हलका बनाना पड़ रहा है। यदि सरकार इस प्रकार का सख्त कदम नहीं उठाती तो बैंक इस कंपनी को और लोन देते रहते और आने वाले समय में यह बड़े संकट के रूप में संपूर्ण चीन की अर्थव्यवस्था को डुबो सकती थी। इसलिए चीन द्वारा अपनी वित्तीय अर्थव्यवस्था की सर्जरी की गई है, ऐसा मानना चाहिए। इसे मैं चीन के लिए शुभ संकेत मानता हूं क्योंकि स्वयं अपने ऊपर लाए गए इस छोटे संकट से चीन अपनी अर्थव्यवस्था को भविष्य में बड़े संकट से बचा सकेगा। वर्तमान में चीन के सामने तीसरा संकट बिजली का है। इसका कारण यह है कि शी जिनपिंग ने प्रदूषण करने वाले थर्मल संयंत्रों द्वारा वायु के प्रदूषण किए जाने पर रोक लगाई है। कोयले से बिजली उत्पादन करने वाले कई संयंत्र बंद हो गए हैं और बिजली का संकट पैदा हो गया है। नशेड़ी को गुटखा न दिया जाए तो वह पस्त हो जाता है। इसी प्रकार वायु प्रदूषण के नशे में धुत चीन की अर्थव्यवस्था को प्रदूषण पर रोक लगाने से यह संकट पैदा हुआ है। यह भी चीन के लिए शुभ संकेत है। प्रदूषण कम होने से अर्थव्यवस्था मूलतः सुदृढ़ होती है। ऊर्जा का कुशल उपयोग होता है और लंबे समय में सस्ता माल बनाया जाता है। बिजली महंगी होगी तो बिजली का सदुपयोग होगा और अंत में चीन की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। चीन के तीन संकटों में एवरग्रैंड का वित्तीय संकट और पावर कट के संकट इसलिए पैदा हुए हैं कि चीन स्वयं अपनी सर्जरी कर रहा है। बीआरआई की सर्जरी फिलहाल चीन करता नहीं दिख रहा है, लेकिन यदि इसकी भी सर्जरी करेगा तो चीन उस संकट से भी सुदृढ़ निकलेगा। इस परिस्थिति में भारत को चीन के द्वारा लिए गए कदमों से सीख लेनी चाहिए। पहला यह कि अपने देश में थर्मल बिजली संयंत्रों और जल विद्युत परियोजनाओं द्वारा भारी मात्रा में प्रदूषण किया जा रहा है जिस पर रोक लगाने से हमारी अर्थव्यवस्था कुशल होगी।

भारत सरकार फिलहाल सस्ती बिजली के लिए प्रदूषण की छूट दे रही है जो कि अर्थव्यवस्था को डुबोएगा। फिर भी भारत सरकार ने वित्तीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सही कदम उठाए हैं। बड़ी संकटग्रस्त कमजोर कंपनियों को भारतीय बैंकों से लोन मिलना कम हो गए हैं और आने वाले समय में वित्तीय संकट भारत पर उत्पन्न नहीं होगा। लेकिन बिजली के क्षेत्र में भारत को चीन की तरह अपनी सर्जरी करनी होगी अन्यथा हम आने वाले समय में चीन से पिछड़ जाएंगे। चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था की सर्जरी की है। भारत को भी चाहिए कि वह अपनी सर्जरी करे। चीन से सबक लेने की जरूरत है। सस्ती बिजली के लिए प्रदूषण की छूट देना ठीक नहीं है। हालांकि आर्थिकी मजबूत करने को भारत ने कुछ सही कदम उठाए हैं।

विश्व बैंक के अनुसार चीन से यूरोप को जाने वाली बीआरआई पर कजाखस्तान और पोलैंड में निर्माण की गतिविधियां बढ़ी हैं। लेकिन बीआरआई में भ्रष्टाचार व्याप्त है। चीन की नौकरशाही द्वारा परियोजनाओं की लागत को बढ़ा-चढ़ा कर बताया जाता है और पर्याप्त रकम का रिसाव कर लिया जाता है। इस दृष्टि से मलेशिया के प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद ने बीआरआई को 'नया उपनिवेशवाद' बताया है। म्यांमार ने कुछ एक बंदरगाह परियोजना को निरस्त किया है। अन्य तमाम देशों ने परियोजनाओं के आकार में बदलाव की मांग की है।

वेटलैंड माफिया के खिलाफ जंग के सूत्रधार

राजेंद्र राजन

मैं जब-जब पौंग बांध क्षेत्र में गया हूं यहां नित नई कहानियों की परतें खुलती चली गई हैं। करीब 50 साल पहले विस्थापन के जिस दर्द को यहां के हजारों परिवारों ने झेला है, उसके बेहिसाब शेड्स हैं। ऐसी ही एक कहानी के किरदार ने मुझे विचलित किया जो गत एक दशक से देसी व विदेशी परिंदों, जीव-जंतुओं, जैव विविधता आदि को बचाए रखने की जंग से जूझ रहा है। मिलखी राम शर्मा 2012 में सरकारी सेवा से रिटायर हुए थे।

लेकिन इस शख्स ने पौंग डैम क्षेत्र में जिन ज्वलंत मुद्दों को कामयाब तरीके से चर्चा के केंद्र में लाने का प्रयास किया है, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है। व्यवस्था, प्रशासन, वन विभाग, राजनेताओं से टकराने और मर-मिटने के लिए आमादा मिलखी राम की ऊर्जा व जुनून देखते ही बनते हैं। आखिर क्या है इस नायक को कहानी? 1972 में हिमाचल सरकार ने वाइल्ड लाइफ प्रोटैक्शन एक्ट बनाया था जिसके तहत 1983 में समूचे पौंग बांध क्षेत्र को वाइल्ड लाइफ बर्ड सेंक्चुरी घोषित किया गया था और 1994 में भारत सरकार ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर का वेटलैंड घोषित किया था। तब से देश-विदेश के पर्यावरण प्रेमियों का ध्यान पौंग डैम क्षेत्र की ओर आकर्षित होने लगा था। यहां साइबेरिया से आने वाले व स्थानीय पक्षियों की 240 से अधिक प्रजातियां हैं। 27 प्रकार की मछलियां हैं, तो 450 प्रजातियां पेड़-पौधों की हैं। लेकिन गत 40 सालों में बायो डाइवर्सिटी को तहस-नहस करने की नामुराद कोशिशों की असंख्य कहानियां भी यहां मौजूद हैं। कोरोना काल में ही 2020 में करीब 3 हजार से ज्यादा विदेशी व देसी पक्षियों का शिकार किया गया। जब मामला मीडिया की सुर्खियां बना तो वाइल्ड लाइफ विभाग ने इसे कथित तौर पर बर्ड फ्लू से जोड़ दिया और शिकारियों को बचने का साफरास्ता दे दिया। वेटलैंड माफिया व परिंदों की हत्या में संलिप्त लोगों ने तरीका यह अपनाया कि गेहूं में जहर मिलाकर उन खेतों या जमीन पर फैंके ताकि उन्हें पक्षी खाकर तड़प-तड़प कर मर जाएं। पक्षियों को मारने की यह विधि कई सालों से चल रही है, लेकिन बीबीएमबी, वन विभाग, पुलिस व प्रशासन आंख मूंदे रहते हैं। व्यवस्था की इसी चुप्पी को तोड़ने और माफिया के खिलाफ जंग छेड़ने का काम मिलखी राम शर्मा कर रहे हैं। पल्ली गांव में जब मेरी उनसे भेंट हुई तो वो फाइलों का पुलिंदा उठा लाए और बताया कि वो किस प्रकार 2017 से 2019 के मध्य वेटलैंड माफिया के विरुद्ध लड़ाई में कामयाब हुए। वन विभाग को बार-बार जगाने हमीरपुर के वाइल्ड लाइफ के डीएफओ ने धमेटा व नगरोटा सूरियां में अपने मातहत अधिकारों को 11 जुलाई 2017 को पत्र लिखकर निर्देश दिए थे कि वेटलैंड में गुज्जरों

की आमदो-रफ्त बंद की जाए। कारण, भैंसों, घोड़ों, बकरियों के खुरों से पक्षियों के अंडे तबाह हो जाते हैं। दूसरे, जमीन के नरम होने से सिल्ट पानी में पहुंच कर डैम की पानी भंडारण क्षमता को लगातार कम कर रही है। डीएफओ के पत्र में कहा गया था कि अप्रैल से जुलाई के मध्य 12,000 से अधिक पशुओं को लेकर गुज्जर यहां प्रवास पर आते हैं। वे यहां के लोगों की निजी जमीन पर डेरे बनाकर रहते हैं और पशुओं को वेटलैंड में चरने के लिए छोड़ देते हैं। 8-12 परिवारों का एक डेरा होता है और उनके पशुओं की संख्या 600 तक रहती है। प्रत्येक परिवार पशुओं के दूध, घी आदि से लाखों की कमाई करते हैं जिसका हिस्सा इन्हें पनाह देने वाले माफिया को पहुंचता है। निजी भूमि वाले इन डेरों का किराया वसूलते हैं। गुज्जर परिवार खुले में शौच करते हैं और समस्त वेटलैंड को गंदा करते हैं जो 207.59 किलोमीटर के क्षेत्रफल में डैम के घेरे से बाहर फैला हुआ है। मिलखी राम के दखल व संघर्ष से गुज्जरों के प्रवास पर प्रतिबंध लगा। एक और जंग थी करीब 80 किलोमीटर क्षेत्रफल में तथाकथित माफिया किसानों द्वारा बीबीएमबी की जमीन पर गेहूं की बिजाई। इसके लिए पंजाब तक से यहां ट्रैक्टर पहुंचते थे। यहां नाजायज खेती की जा रही थी। खाद और कीटनाशक पानी को जहरीला बना रहे थे। ट्रैक्टरों से खोदी गई जमीन की मिट्टी भी डैम के पानी में जा रही थी जिससे वहां गाद इकट्ठी हो रही थी। ट्रैक्टरों और कार्बाइन हॉरवैस्टर की वजह से पक्षियों के अंडे रौंद दिए जाते थे और अन्य जीव जंतुओं की भी लगातार हत्या हो रही थी। यह सिलसिला कई सालों से जारी था। हिमाचल के वाइल्ड लाइफएक्ट के सैक्शन 33 के मुताबिक पौंग वेटलैंड में किसी भी प्रकार की कृषि गतिविधि पर पूर्ण प्रतिबंध है।

सितंबर 2020 में विधानसभा में एक प्रश्न के उत्तर में सरकार ने स्पष्ट किया था कि पौंग डैम को सेंक्चुरी क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कृषि संबंधी गतिविधि को स्वीकृति नहीं दी जा सकती। 13 जनवरी 2017 को बीबीएमबी के एसडीओ ने वेटलैंड क्षेत्र के सभी पंचायत प्रधानों को पत्र लिखकर चिंता प्रकट की थी कि अधिग्रहित जमीन यानी डैम एरिया में नाजायज ढंग से खेती की जा रही है और सभी प्रधान इसे तुरंत बंद करवाएं। फसलों पर जहरीले स्प्रे से मछलियां भी मर रही हैं। अतः पौंग वेटलैंड जैसे राष्ट्रीय संपदा का संरक्षण अति आवश्यक है। 2018 से 2019 तक दो साल तक वेटलैंड भूमि पर गेहूं की बिजाई पर पूर्ण प्रतिबंध रहा। लेकिन 2020 में पुनः माफिया ने जबरन फसल बीज दी। साल 2021 में इस इलाके के एक राजनेता ने चुनाव में वोट प्राप्त करने के लिए लोगों के साथ मिलकर पुनः बीबीएमबी की जमीन और वेटलैंड एरिया पर ग़ैर कानूनी ढंग से खेती शुरू करवा दी। इसमें भाजपा सरकार की भी कथित मौन स्वीकृति थी क्योंकि वो इस ख़्याली पुलाव में जी रही थी कि फतेहपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में तथाकथित किसानों का माफिया तंत्र उनका साथ देगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और कांग्रेस ने पुनः यह सीट जीत ली। लेकिन जिन नेताओं ने लोगों को जबरन खेती के लिए उकसाया था, वे जीत नहीं पाए। यानी पौंग डैम में विस्थापन का मुद्दा नेपथ्य में धकेला जा चुका है और सत्ता प्राप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की 'रामसर साइट' यानी पौंग वेटलैंड में वाइल्ड लाइफ बर्ड सेंक्चुरी के कानूनों के सभी प्रावधानों का धड़ल्ले से उल्लंघन हो रहा है। मिलखी राम शर्मा पीपुल फार एनवायरनमेंट के समन्वयक हैं और पौंग लेक बायो डाइवर्सिटी कंजरवेशन सोसायटी के सदस्य भी हैं। उनके साथ इस क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग जुड़े हुए हैं। अपने 9 जनवरी 2019 व 26 दिसंबर 2020 के पत्रों में मिलखी राम ने शिमला स्थित वाइल्ड लाइफ के पीसीएफको बार-बार वन्य जीव संरक्षण कानूनों के उल्लंघन के लिए तथ्यों के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करने का आग्रह किया है, लेकिन ये सद्प्रयास सफल नहीं हो पा रहे हैं। इस माफिया पर नकेल कसनी होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

झारखंड के सूप-दउरा से नालंदा की व्रती देंगी छठी मैया को अर्घ्य, कीमतों में भारी उछाल

बिहारशरीफ (एजेंसी) । गिरिडीह व पटना का दउरा और हजारीबाग में बने सूप से महापर्व छठ की पूजा होगी। गिरिडीह के अलावा झारखंड के अन्य शहरों से भी सूप व डलिया की सप्लाई नालंदा जिले में हो रही है। गया जिले के डोभी से भी बांस के सूप मंगवाए गए हैं। समस्तीपुर एवं दरभंगा से भी दउरा आया है। बांस के सूप और दउरा की बिक्री सप्ताह भर से हो रही है। इधर, हरनौत के तेलमर में बने सूप भी बाजारों में उपलब्ध हैं।खांची गली के दुकानदार संजय कुमार ने बताया कि ट्रांसपोर्ट खर्च में अत्याधिक वृद्धि के कारण अधिकांश समानों के दाम में इस बार काफी उछाल आया है। मंहगाई का असर सूप और दउरा के दाम पर पड़ा है। जोड़ा सूप 50 रुपये बढ़कर 150 तथा प्रति दउरा 20 रुपये महंगा होकर 200 रुपये तक में बिक रहा है। आकार एवं गुणवत्ता के हिसाब से कीमत घट- बढ़ रही है। दाम में वृद्धि की वजह बांस की बढ़ी कीमत एवं परिवहन खर्च की बढ़ोतरी है।

बाजार में मोलभाव भी खूब हो रहा है लेकिन विक्रेता महंगाई और खर्च का हवाला देते दाम कम नहीं कर रहे। स्थानीय गांवों एवं कस्बों में बने सूपों की भी मांग बाजारों में है। हरनौत के तेलमर एवं चंडी के सालेपुर में भी लोग सूप निर्माण करते हैं। तेलमर में निर्मित बांस के सूप की बिक्री जिले भर में होती है।तेलमर के मुखिया (परामर्शी) अशोक कुमार ने बताया कि यहां 15 घरों में सूप निर्माण होता है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन बांस की खेती को बढ़ावा देने के लिए अनुदान भी देती है। सहायक निदेशक उद्यान, ज्ञान चंद शर्मा ने बताया कि जिले के किसानों को बांस उत्पादन में रुचि लेनी चाहिए। इस बार छठ पर्व में फलों के दाम में भी दोगुनी वृद्धि हुई है। थोक व खुदरा में फलों के दाम में 20 से 30 रुपये किलोग्राम का अंतर है। अमूमन थोक मंडी में बिकने वाला चिनिया केला का घोर बाजार समिति में 250 की जगह 500 से 600 रुपये में बिक रहा है। सेब 90 से 100 रुपये, संतरा 60 रुपये, अमरूद 80 रुपये में बेचे जा रहे हैं। सूखा नारियल 30 से 40 रुपए में बेचे जा रहे हैं।

बिहार में कोरोना वैक्सीनेशन के लिए मोबाइल टीम पहुंचेगी आपके द्वार, छठ के बाद चलेगा अभियान

पटना (एजेंसी) । अगर 11 महीने बाद भी आपने कोरोना का टीका नहीं लिया है तो तैयारी कर लीजिए। अब आपको टीका देने स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल टीम आपके घर आने वाली है। यह टीम आप से पूछेगी कि आपने टीकाकरण कराया या नहीं? आपके जवाब के आधार पर यह टीम आपको टीके (वैक्सीन) की पहली या दूसरी डोज देगी। स्वास्थ्य विभाग ने टीकाकरण अभियान के अंतिम दौर में अब तक चूके हुए लोगों के लिए घर पर टीकाकरण की शुरुआत की है। छठ पूजा के बाद करीब साढ़े सात सौ मोबाइल टीमें प्रत्येक प्रखंड और इसके अंतर्गत आने वाली पंचायतों में घूमेंगी। मोटर साइकिल पर भ्रमण करने वाली मोबाइल टीम पर दो वैक्सीनेटर होंगे। वे पंचायत के एक-एक घर में जाकर घर में रहने वाले सदस्यों के टीकाकरण की जानकारी लेंगे। परिवार में किसने टीका नहीं लिया है। कितनों ने पहली या कितनों ने दोनों डोज ली है। जानकारी प्राप्त करने के बाद टीम के वैक्सीनेटर साथ लाए आइस बाक्स से वैक्सीन निकाल आपको वैक्सीन की पहली या दूसरी डोज देंगे। स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य में 18 वर्ष से अधिक उम्र वालों की आबादी करीब आठ करोड़ है। इनमें से अब तक सात करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। इतनी बड़ी संख्या में टीकाकरण होने के बाद केंद्र पर आने वालों की संख्या धीरे-धीरे कम होने लगी है। लिहाजा विभाग ने अब घर-घर टीकाकरण टीम भेज वंचित लोगों को पहली और पहली डोज लेने वालों के लिए दूसरी डोज देने का अभियान शुरू किया है। इस कड़ी में दिव्यांग, वृद्धजन, शारीरिक रूप से चलने में असमर्थ लोगों का टीकाकरण भी होगा। मोटर साइकिल टीम को अभियान के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया है।

दुबई के वर्ल्ड एक्सपो में जाएगी बेगूसराय की कोमल, पटना के एएन कालेज की छात्रा की यात्रा का खर्च उठाएगी सरकार

बेगूसराय (एजेंसी) । पहली बार जिला के किसी विद्यार्थी को सरकारी खर्च पर विदेश में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो में शामिल कराया जाएगा। इसके लिए विगत दिनों जिलाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा के नेतृत्व में उच्चाधिकारियों ने मैट्रिक रिजल्ट के आधार पर बेगूसराय से एक छात्रा का चयन वर्ल्ड एक्सपो 2021-22 के लिए किया है। जिला योजना पदाधिकारी उमानाथ झा ने बताया कि देश के सभी आकांक्षी जिला से एक एक विद्यार्थी का चयन वर्ल्ड एक्सपो के लिए किया जाना था। भारत सरकार उस चयनित बच्चे को दुबई में आयोजित होने वाले वर्ल्ड एक्सपो में भेजेगी। जिला योजना पदाधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में तेघड़ा नगर पंचायत के पुरानी बाजार भागीरथी रोड तेघड़ा निवासी किसान सत्येंद्र यादव व मंजू देवी की पुत्री कोमल कुमारी का चयन किया गया है। जबकि वीरपुर प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय खरमौली के एचएम संत कुमार सहनी की पुत्री अदिति को रिजर्व में रखा गया है। कोमल ने बताया कि उसकी प्रारंभिक शिक्षा प्राथमिक विद्यालय तेघड़ा एक, राजकीयकृत मध्य विद्यालय तेघड़ा बाजार हुई है। उसने राष्ट्रीय उच्च विद्यालय तेघड़ा से 2021 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की है। कोमल को मैट्रिक परीक्षा में 94.2 प्रतिशत अंक मिला था, इसी आधार पर उसका चयन वर्ल्ड एक्सपो के लिए हुआ है। कोमल पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी है।

जीतनराम मांझी की बहू ने लालू की बेटी को कहा-लबरी, अब भकचोन्हर से आगे गई बिहार की सियासत

पटना (एजेंसी) । ज्यादा दिन नहीं हुए, जब लालू प्रसाद यादव ने बिहार कांग्रेस प्रभारी भक्त चरण दास को भकचोन्हर अर्थात् बेवकूफ कह बवाल खड़ा कर दिया था। अब लालू की बेटी डा. रोहिणी आचार्य को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के अध्यक्ष जीतन राम मांझी की बहू दीपा मांझी ने लबरी (बेकार बक-बक करने वाला) कहा है। दीपा मांझी बिहार की नीतीश कुमार सरकार में मंत्री संतोष मांझी की पत्नी भी हैं। दीपा ने रोहिणी आचार्य के एक बयान का हवाला देते हुए उन्हें सिंगापुरिया महारानी बताते हुए कहा कि लालू चचा (लालू प्रसाद यादव) के दामन पर दाग कोई नहीं लगाया है, गाय-गोरू के चारा चोरी में शिवानंद तिवारी चचा (आरजेडी उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी) की कृपा से कोर्ट ने उन्हें सजा दी है। दीपा ने रोहिणी को संबोधित करते हुए आगे कहा कि उन्हें सजायाफ्ता जननेता लग रहे हैं तो इससे बड़ी दलाली और क्या होगी। अंत में दीपा ने रोहिणी के लिए लबरी का संबोधन दिया। विदित हो कि रोहिणी आचार्या ने लालू प्रसाद यादव को जन नेता बताते हुए कहा था कि उनके दामन पर दाग लगाकर सत्ता की कुर्सी पाने वाले दर्जनों घोटालों को अंजाम देकर बिहार को फिसड्डी राज्य बनाए हुए हैं।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार के सरकारी आवास में हो रही छठ पूजा

पटना (एजेंसी) । छठ महापर्व की हलचल बिहार के सियासी गलियारे में भी दिख रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित भाजपा, जदयू और कांग्रेस के तमाम नेता लगातार ही छठ घाटों का जायजा ले रहे हैं। व्रतियों के बीच प्रसाद और पूजा की सामग्री बांट रहे हैं। इधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सरकारी आवास एक अणे मार्ग में भी छठ की तैयारियां तेज हो गई हैं। लालू यादव के जमानत पर रिहा होने के बाद इस बार आसार थे कि राबड़ी देवी के घर भी छठ होगी। लेकिन लालू की तबीयत ठीक नहीं होने के कारण उनका पूरा परिवार कुछ ही दिन पटना रहकर दिल्ली चला गया है।बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने इस बार छठ नहीं किया है। लालू के जेल जाने और राबड़ी देवी के बीमार होने के बाद ही से उनके घर आयोजन नहीं हो रहा है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य व यूपी के सह-प्रभारी विवेक ठाकुर की पत्नी ने व्रत रखा है। आयोजन दिल्ली स्थिति आवास पर हो रहा है। जिन नेताओं के घर छठ नहीं हो रहा है, वे भी आसपास के व्रतियों का सहयोग कर रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने अशोक राजपथ में छठ पूजन सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम में विधायक अरुण सिन्हा, युवा मोर्चा के मनीष कुमार, महानगर अध्यक्ष अभिषेक कुमार, भाजयुमो के प्रदेश कार्यसमिति सह जिला प्रभारी राहुल यादव, मनोज कुमार मौजूद रहे। छठ व्रतियों के बीच साड़ी, सूप नारियल सहित अन्य पूजन सामग्री का वितरण की गई।

भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने सोमवार को जदयू नेता सरदार जगजीवन सिंह के प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छठ सामग्री का वितरण किया। छठ सामग्री वितरण कार्यक्रम में पूर्व मंत्री श्याम रजक, जदयू के राष्ट्रीय सचिव रवींद्र सिंह, राज्य नागरिक परिषद के पूर्व महासचिव छोटू सिंह, जदयू नेता सुबोध यादव के अलावा सुषमा साहू भी मौजूद थीं।

राजद की ओर से भी व्रतियों को सामग्री दी गई। रानीपुर पानी टंकी के पास श्याम रजक के साथ राजद के प्रदेश महासचिव विनोद यादव, सनी यादव, करण यादव, विशाल ठाकुर, गोपाल कुमार एवं आनंद भगत ने सामग्री का वितरण किया। मुख्यमंत्री आवास में भी इस वर्ष लोक आस्था के महापर्व छठ का आयोजन किया जाएगा। पूर्व में वहां छठ पर्व मनाया जाता रहा है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री की भतीजी, सरहज, भांजी और भांजे की पत्नी छठ पर्व कर रही हैं। सभी मुख्यमंत्री आवास में अर्घ्य भी देंगी। राज्यपाल फागू चौहान, विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा, राजद प्रमुख लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव एवं मीसा भारती ने आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर देश-प्रदेश के निवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने कहा कि श्रद्धा, भक्ति, निष्ठा और पवित्रता के साथ मनाया जानेवाला यह पर्व हमें आत्म शुद्धि, मन की निर्मलता और शारीरिक, मानसिक व लोकाचार में अनुशासन बनाए रखने की प्रेरणा देता है। स्पीकर विजय सिन्हा ने प्रेम एवं सद्भावना के साथ छठ मनाने का अनुरोध किया। लालू ने कहा कि छठ महापर्व सबके जीवन में खुशियां लेकर आए। तेजस्वी यादव ने सुरक्षित घाटों पर ही अर्घ्य देने की सलाह दी है।

बिहार के किसानों के लिए अच्छी खबर, सरकार डेढ़ लाख कृषकों को देगी क्रेडिट कार्ड

पटना (एजेंसी) । बिहार के सब्जी उत्पादक किसानों को सही लाभ मुहैया कराने के लिए अब तक वेजफेड की समितियों से 32,457 किसान जोड़े जा चुके हैं। सहकारिता विभाग की यह पहल सब्जी उत्पादक किसानों को रास आ रही है और राज्य में नए सब्जी उत्पादक किसान वेजफेड की समितियों से जुड़ने में रुचि भी दिखा रहे हैं। विभाग ने सदस्यता अभियान आनलाइन चल रखा है। इसके लिए एप्लीकेशन (पोर्टल) पर निःशुल्क आवेदन लिए जा रहे हैं। सहकारिता विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक थोक सब्जी विक्रेताओं को भी वेजफेड लाइसेंस देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए भी एप्लीकेशन लांच किया जा रहा है।

हर किसान तक अपनी पहुंच बनाने के लिए सहकारिता विभाग की इस संस्था द्वारा किसानों का सर्वे कराया गया है। अब सभी किसानों को सदस्य बनाने के लिए सदस्यता अभियान पर जोर दिया जा रहा है। सहकारिता विभाग की संस्था वेजफेड पैक्सों की तर्ज पर पर ही सदस्यता की पूरी प्रक्रिया अपनाया है। किसानों से आनलाइन आवेदन लिया जा रहा है।आवेदन में सब्जी की खेती की पूरी जानकारी एवं खेत का रकबा की जानकारी देना अनिवार्य है। यह घोषणा पत्र भी देना होता है कि वह अपनी खेत के मालिक हैं या बटाईदार हैं। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने पर वेजफेड के अधिकारी आवेदनों की स्थलीय जांच करते हैं। उसके बाद सदस्य बनाया जाता है। सब्जी उत्पादक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड का भी लाभ दिया जा रहा है। 25 हजार से ज्यादा किसान लाभ उठा चुके हैं। डेढ़ लाख किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ देने का लक्ष्य है। सब्जी उत्पादकों की पूंजी की समस्या दूर करने के लिए राज्य के सहकारी बैंकों से लिंक किया जा रहा है। इसके अलावा सभी प्रखंडों में सब्जी मंडी बनाया जा रहा है। पटना, नालंदा, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, भोजपुर, बक्सर, छपरा, गोपालगंज एवं सिवान में समितियां कार्य करने लगी हैं। इसका विस्तार शेष अन्य जिलों में भी किया जा रहा है।

छठ पर्व को ले कैमूर स्तंभ से लेकर पटेल चौक तक लगा महाजाम

यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए प्रशासन की कोशिश नाकाम

भभुआ (एजेंसी) । जिले में चार दिवसीय छठ महापर्व का अनुष्ठान बीते सोमवार से शुरू हो गया है। मंगलवार को दूसरे दिन खरना हुआ। इसके बाद बुधवार को संध्या में अर्घ्य होगा। तत्पश्चात गुरुवार की प्रातः अर्घ्य के साथ इस महापर्व का समापन होगा। मंगलवार को भभुआ नगर का बाजार फल व पूजन सामग्री से पट गया। सुबह होते ही बाजार में दुकानदार अपनी-अपनी दुकान लगा कर पूरी तरह तैयार दिखे। विभिन्न जगहों से ईख लेकर भी दुकानदार पहुंच गए। कोई ट्रैक्टर की ट्राली पर रख कर तो कोई सड़क के किनारे ईख रख कर दुकान लगा लिया। एक दिन पूर्व यानी सोमवार को फल दुकानदार अपनी-अपनी दुकान लगा लिए। मंगलवार की सुबह आठ बजते ही बाजार में लोगों का आना शुरू हो गया। दस बजते-बजते ऐसी भीड़ हुई कि पैदल निकलना मुश्किल हो गया। 12 बजे तक ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी खरीदारी करने पहुंच गए। इसके चलते बेतहाशा भीड़ हो गई। नगर के सिनेमा हाल से लेकर नगर परिषद गेट तक फल की दुकानें लगी थी। सड़क पर दुकानों के लगने के चलते लोग सड़क पर ही खड़ा होकर खरीदारी किए। इसके चलते वाहनों के निकलने तक की जगह नहीं रही। कोई सूप दउरा की खरीदारी कर रहा था तो कोई फल की। कोई पूजन सामग्री खरीद रहा था तो कोई साड़ी व अन्य सामान की। इसके चलते सड़क पर लगी दुकानों से लेकर कपड़ा की दुकानों तक भीड़ थी। अन्य तरह की दुकानों तक ग्राहक पहुंच नहीं पा रहे थे। नगर के सब्जी मंडी रोड, एसबीआई बैंक के सामने, पुराना बाजार, एकता चौक, सिनेमा हाल, पटेल चौक पर चारों तरफ भीड़ ही दिख रही थी। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए प्रशासन व नगर परिषद द्वारा प्रतिनियुक्त कर्मी व पुलिस जवान जाम छुड़ाने का प्रयास करते रहे, लेकिन उन्हें देर रात तक सफलता नहीं मिली। दिन भर वाहन बाजार में चींटी की चाल से रेंगते रहे। कैमूर स्तंभ से लेकर पटेल चौक तक महाजाम लगा रहा। बता दें कि मंगलवार को भभुआ बाजार में जमकर खरीदारी हुई है। बुधवार की दोपहर तक भी भभुआ नगर के बाजार में लोग फलों की खरीदारी करने के लिए आएंगे। उधर फलों के दाम अधिक होने के बाद भी लोगों ने खरीदारी में कोई कमी नहीं की।

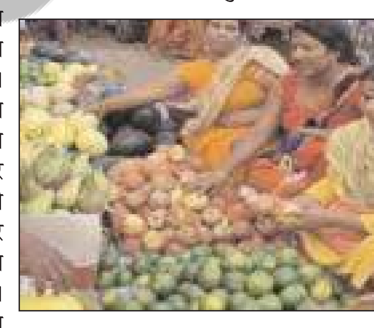

मुजफ्फरपुर में छठ पर्व को लेकर कई जगहों पर ड्राप गेट व बैरिकेडिंग

मुजफ्फरपुर (एजेंसी) । छठ पर्व पर शहरी क्षेत्र में अत्यधिक भीड़ के मद्देनजर यातायात व्यवस्था सुचारु रूप से बनाए रखने के लिए विभिन्न मार्गों पर ड्राप गेट व बैरिकेडिंग कराई जाएगी। साथ ही कई रूटों पर वन-वे का सख्ती से अनुपालन कराया जाएगा। इसको लेकर एसडीओ पूर्वी ने आदेश जारी किया है। साथ ही पत्र में कहा गया है कि पूर्व से जो भी मार्ग वन-वे है। उसे कठोरता से अनुपालन कराया जाएगा। अखाड़ाघाट से पहले देना बैंक के पास मुख्य सड़क और इसी रूट पर जीरोमाइल की ओर से अखाड़ाघाट पुल से पहले ड्राप गेट बनेगा। अर्घ्य से पहले तीन बजे से वाहनों के परिचालन को रोक दिया जाएगा। अखाड़ाघाट बांध रोड पर भी सिकंदरपुर से लकड़ीढ़ाई तक वाहनों का परिचालन रोका जाएगा। इस रूट पर अर्घ्य का सामान ठेले से ले जा सकेंगे। साहू पोखर पर भी छठ के लिए भारी भीड़ उमड़ती है। यहां भी चारों ओर पांच सौ मीटर पहले ही वाहनों को सड़क किनारे चौड़ी जगह देखकर पार्क करना है। पड़ाव पोखर घाट तक जाने के लिए आमगोला पुल के पास ड्राप गेट बनेगा। यहां मुख्य रोड से पोखर की ओर और कोई गाड़ी अर्घ्य के वक्त नहीं जाएगी। अखाड़ाघाट पर आने वाले लोग अपनी गाड़ी देना बैंक के सामने खाली सरकारी जमीन पर पार्क करेंगे। सीढ़ी घाट के लिए सिकंदरपुर स्टेडियम में गाड़ी पार्क करनी है। इसके आगे पैदल ही जाना है। साहू पोखर के बगल से निकलने वाले केदारनाथ रोड कल्याणी चौक की ओर से गाड़ी नहीं आने दी जाएगी। पड़ाव पोखर आने वाले लोग ओरिएंट क्लब मैदान में गाड़ी पार्क कर पैदल ही पोखर तक जाएंगे। मोतीझील पोखर के लिए ओवरब्रिज के नीचे गाड़ी पार्क करनी है। रामदयालु कालेज के पोखर जाने वाले कालेज के मैदान में वाहन लगाएंगे। किसी भी सड़क व ओवरब्रिज पर वाहनों की पार्किंग पर प्रतिबंध किसी भी सड़क या ओवरब्रिज पर कोई वाहन की पार्किंग नहीं की जाएगी। एसडीओ पूर्वी ने कहा कि किसी भी सड़क या ओवरब्रिज पर कोई भी वाहन की पार्किंग पर पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने कहा कि संबंधित सभी थानाध्यक्षों व यातायात थानाध्यक्ष को उपरोक्त आदेश का कठोरता से अनुपालन कराने का निर्देश दिया गया है। सभी थानाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्र में सघन गश्ती की व्यवस्था करते हुए यातायात व विधि व्यवस्था का संधारण सुनिश्चित करेंगे।

बिहार में शापिंग माल खोलने की तैयारी में जापान की कंपनी, तीन बड़ी कंपनियों ने निवेश के लिए दिखाया इंटरेस्ट

पटना (एजेंसी) । जापान की टाप कंपनियों ने बिहार में निवेश में रुचि दिखाई है। खासकर स्मार्ट सिटी, बुद्धिस्ट पार्क व शापिंग माल खोलने की इच्छा जापानी कंपनियों ने जताई है। इसी सिलसिले में सोमवार को मुख्य सचिवालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद से बिहार फाउंडेशन के जापान चैप्टर का प्रतिनिधिमंडल मिला। जापानी कंपनियों के इस प्रस्ताव से बिहार की सरकार गदगद है। सरकार की कोशिश है कि इनके प्रस्तावों को जल्द ही अमल में लाया जा सके। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि जापान की कंपनी मित्सुई सुमितोमो, फुजीसीमा कंपनी लिमिटेड और ईएसपीएडी कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष दिसंबर में बिहार यात्रा पर आना चाहते हैं। ये सभी कंपनियां बिहार में काम करने के लिए इच्छुक हैं।

बताया गया कि फिलहाल बोधगया में निको इंटरनेशनल को-ऑपरेशन फार कम्युनिटी डेवलपमेंट जैविक खेती के क्षेत्र में 2018 से काम कर रही है। चेरी टोमैटो तथा जैपनीज मेलन की खेती के साथ-साथ वृद्ध लोगों की सेवा की दिशा में कार्यरत है। उन्होंने बताया कि पटना में बिहार के छात्रों को जापानी भाषा का प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से जैपनीज लैंग्वेज एंड कल्चरल सेंटर की स्थापना की गई है। इस क्षेत्र में जापान में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री को अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह खुशी की बात है कि जापान की कई बड़ी कंपनियां बिहार में उद्योग एवं अन्य क्षेत्रों में निवेश करना चाहती हैं। उन्होंने इस दिशा में अपेक्षित सहयोग का भरोसा दिया।

मुलाकात के दौरान बिहार फाउंडेशन के जापान चैप्टर के अध्यक्ष आनंद विजय, निको इंटरनेशनल को-आपरेशन फार कम्युनिटी डेवलपमेंट के प्रतिनिधि हागीहारा नोजोमू, मारी सकुराबा, बिहार फाउंडेशन के विशेष कार्य पदाधिकारी सुशील कुमार आदि उपस्थित थे।

बांका में 4300 लीटर शराब जब्त, हरियाणा के ट्रक से बिहार तक आई खेप, कीमत लाखों में

बांका (एजेंसी) । मंगलवार की सुबह भागलपुर -दुमका मुख्य मार्ग स्थित नरीपा मोड़ स्थित टिंकू सिंह लाइन होटल के समीप खड़े ट्रक से पुलिस ने 16092 बोतल विदेशी शराब जब्त किया है। यह कार्रवाई स्थानीय पुलिस एवं पटना से आई उत्पाद विभाग की टीम ने की है। जब्त शराब ट्रक में लोड धान की भूसी से बरामद हुआ है। इस मामले में ट्रक चालक उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ निवासी मुकेश सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक हरियाणा राज्य की निबंधित ट्रक की तलाशी लेने पर रायलसन गोल्ड ब्रांड के उक्त सभी शराब बरामद हुए। जब्त बोतलों में कुल 4393 लीटर विदेशी शराब है। उक्त शराब धान की भूसी के अंदर 496 कार्टूनों में छिपा कर ले जाई जा रही थी। पटना से आई उत्पाद विभाग की टीम ने बताया कि दो दिनों से इस ट्रक की तलाश हो रही थी। उक्त ट्रक रजौन के समीप खड़ा होने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की मदद से घेराबंदी कर पकड़ा गया। ट्रक दालकोला से रजौन होते हुए भागलपुर की ओर जा रहा था। सभी पर मेड इन हिमाचल प्रदेश लिखा हुआ है। जब्त विदेशी शराब की अनुमानित कीमत करीब 13 लाख रुपया बताया है। पकड़े गए ट्रक चालक को गिरफ्तार कर रजौन पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि ट्रक चालक से पूछताछ की जा रही है। वहीं, भारी मात्रा में शराब जब्ती की कार्रवाई के बाद इलाके में यह चर्चा का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उनलोगों इस बारे में जरा भी भनक नहीं थी कि ट्रक में शराब लोड है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

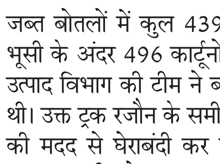

शराब तस्करों को रास्ते पर लाने को दूसरी तरकीब लगाएगी बक्सर पुलिस, एसपी ने सभी थानेदारों को दिया टास्क

बक्सर (एजेंसी) । एक तरफ जिले में हो रही शराब की तस्करी को रोकने की दिशा में पुलिस का अभियान तेज कर दिया गया है तो दूसरी ओर शराब तस्करों को चिन्हित कर उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की भी पुलिस द्वारा पहल की जाएगी।

सोमवार को आयोजित क्राइम मीटिंग के दौरान अपराध की समीक्षा के बीच ही सभी थानाध्यक्षों को एसपी द्वारा अब नया टास्क दिया गया है, जिससे तस्करी की राह से हटाकर युवकों को नए रोजगार के अवसर दिए जा सके। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार सिंह ने कहा कि जिले में शराब की तस्करी रोकने की दिशा में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत दर्जनों भट्ठियों को ध्वस्त करने के साथ ही शराब निर्माण तथा तस्करी में लगे अनेक लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। अब पूर्व में पकड़े गए शराब तस्करों की सुधार तथा तस्करी पर लगाम लगाने की दिशा में पुलिस एक नया अभियान शुरू करने जा रही है। इसके तहत शराब तस्करी में लगे लोगों को मुख्यमंत्री की सतत रोजगार योजना से जोड़ते हुए उन्हें रोजगारपरक प्रशिक्षण दिए जाने की योजना पर काम किया जाएगा, जिससे नई पीढ़ी शराब तस्करी को छोड़कर रोजगार का नया रास्ता अपना सके। क्राइम मीटिंग के दौरान सभी थानाध्यक्षों के साथ इंस्पेक्टरों को इस संबंध में नया टास्क देते हुए इस अभियान की सफलता के लिए मीडिया कर्मियों समेत समाज के प्रबुद्ध लोगों की मदद लेने तथा जागरूकता फैलाने का निर्देश दिया गया है।

इसके अलावा मीटिंग के दौरान छठ पूजा की तैयारियों के साथ ही आने वाले चुनाव और अपराध नियंत्रण की दिशा में पुलिस के क्रियाकलापों की विधिवत तथा विस्तार से समीक्षा की गई। इस मीटिंग में जिले के सभी थानाध्यक्ष, सभी इंस्पेक्टर तथा डीएसपी मौजूद रहे।

कोच पद से हटने के बाद शास्त्री का फूटा गुस्सा, कहा- भले ही आप ब्रैडमैन हों, बायो बबल का असर जरूर पड़ेगा

दुबई (एजेंसी) भारत के निवर्तमान मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भले ही आप 'डॉन ब्रैडमैन' क्यों न हों, कई महीनों तक जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में रहने का असर आप पर जरूर पड़ेगा। शास्त्री का भारतीय टीम के साथ कार्यकाल सोमवार को नामीबिया के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के साथ ही समाप्त हो गया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) और विश्व कप के बीच लंबे विश्राम की जरूरत थी। शास्त्री ने नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैं एक बात कहना चाहूंगा। यह कोई बहाना नहीं है, लेकिन सच्चाई है। जब आप छह महीने बायो बबल में रहते हैं तो उसका असर पड़ता है। इस टीम में कई खिलाड़ी हैं जो तीनों प्रारूपों में खेलते हैं।'' उन्होंने कहा, ''पिछले 24 महीनों में वे केवल 25 दिन के लिये घर में रहे। मुझे परवाह नहीं है कि आप कौन हैं, अगर आपका नाम ब्रैडमैन है, अगर आप भी बायो बबल में हैं, तो आपका औसत नीचे आ जाएगा क्योंकि आप एक इंसान हैं।'' भारतीय टीम इंग्लैंड के चार महीने के लंबे दौर के बाद यूएई में आईपीएल खेलने आयी थी। कप्तान विराट कोहली ने भी कहा था कि लंबे समय तक बायो बबल में नहीं रहा जा सकता है। शास्त्री ने कहा, ''यह ऐसा नहीं है कि पेट्रोल डाला और लंबी यात्रा पर निकल जाओ। इसमें ऐसा नहीं होता है। इसलिए मुझे लगता है कि यह मुश्किल दौर था।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए मैं कहता हूं कि जीवन में आप किन परिस्थितियों से गुजरे हैं यह मायने रखता है। यह टीम ऐसी परिस्थितियों से गुजरी है। खिलाड़ियों ने जज्बा दिखाया। उन्हें कोई शिकायत नहीं है। लेकिन कभी न कभी सब्र का बांध टूट जाएगा इसलिए आपको सावधान रहना होगा।'' नामीबिया के खिलाफ मैच से पहले शास्त्री ने कहा था कि खिलाड़ी लंबे समय तक जैव सुरक्षित वातावरण में रहने के कारण शारीरिक और मानसिक रूप से थक चुके हैं। उन्होंने कहा, ''मैं मानसिक रूप से थका हुआ हूं लेकिन मैं कह सकता हूं कि यह उम्र का असर है लेकिन ये खिलाड़ी भी शारीरिक और मानसिक रूप से थके हुए हैं। यह छह महीने तक बायो बबल में रहने का असर है।'' शास्त्री ने कहा, 'हम आईपीएल और टी20 विश्व कप के बीच लंबा अंतराल चाहते थे, क्योंकि जब आप बड़े मैचों में खेलते हैं तो आप दबाव से प्रभावित होते हैं। आप उतने जोश में नहीं रहते जितना आपको होना चाहिए।'' शास्त्री 2014 में इंग्लैंड के दौरे से 2015 विश्व कप तक आठ महीने के लिये भारतीय क्रिकेट टीम के निदेशक बने थे। उन्हें 2016 में हटा दिया गया था, लेकिन 13 जुलाई, 2017 को उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था और फिर उन्होंने कोहली के साथ शानदार जोड़ी बनायी। उनके कार्यकाल का मुख्य आकर्षण आस्ट्रेलिया में एक के बाद एक दो टेस्ट श्रृंखलाएं जीतना रहा, लेकिन इस बीच टीम आईसीसी का कोई टूर्नामेंट नहीं जीत पायी। कोहली की जगह रोहित शर्मा को टी20 टीम और यहां तक कि वनडे की कप्तानी सौंपी जा सकती है। शास्त्री ने कहा, ''मेरा मानना है कि रोहित बेहद सक्षम है। उसने आईपीएल में इतने खिताब जीते हैं। वह (भारतीय) टीम का उप कप्तान है। वह यह पद संभालने के लिये तैयार है। अलग अलग प्रारूप के लिये अलग अलग कप्तान होना गलत नहीं है।'' शास्त्री ने इसके साथ ही स्वीकार किया कि हार्दिक पंड्या के पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण गेंदबाजी में विकल्पों के अभाव का टीम को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, ''जब आपके शीर्ष क्रम में एक या दो ऐसे खिलाड़ी होते हैं जो गेंदबाजी कर सकते हों तो इससे मदद मिलती है। दुर्भाग्य से हमारे साथ ऐसा नहीं था। यहां तक कि अगर वे आपस में मिलकर चार ओवर करेंगे तो उससे मदद मिलेगी।

लोग अगर मेरे कारण हंसते हैं तो अच्छा है: शास्त्री

दुबई (एजेंसी)। रवि शास्त्री इस बात से अच्छी तरह से वाकिफ हैं भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान सोशल मीडिया पर उन्हें मजाकिया अंदाज में पेश किया जाता था लेकिन इस पूर्व आलराउंडर ने कहा कि अगर उनके कारण लोग हंसते हैं तो फिर उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। इस 59 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर का मुख्य कोच के रूप में कार्यकाल नामीबिया के खिलाफ सोमवार को टी20 विश्व कप में भारत के आखिरी मैच के साथ समाप्त हो गया। इस दौरान सोशल मीडिया पर अक्सर उनकी टांग खींची जाती थी। शास्त्री ने मीडियाकर्मियों से कहा, ''हर तरफ मजाक चलता रहता है। वे मेरे नाम पर हंसते हैं, मजा करते हैं। क्या फर्क पड़ता है। मैं नींबू पानी पीऊंगा या मेरे पास दूध और शहद होगा, लेकिन आप ड्रिंक करो। मेरे नाम पर मजे करो न।''

उन्होंने कहा, ''जब आप इस तरह की चीजें पोस्ट करते हैं तो कितने जन (लोग) हंसते हैं यार, कितने जन खुश होते हैं। 'एंज्वाय' (मजा) करो ना यार। जब तक टीम अच्छा प्रदर्शन करती है, मैं खुश हूं।'' भारत की हार के बाद अक्सर होने वाली आलोचना के बारे में शास्त्री ने कहा, '' आलोचना। यह प्रदर्शन पर निर्भर करता है। अच्छा करो तो आपकी प्रशंसा होगी, अच्छा प्रदर्शन नहीं करो तो आपको लताड़ दिया जाएगा। शांति रखो। ओम शांति ओम।''

एमसीसी के पूर्व प्रमुख ब्रैडशॉ का निधन

एडीलेड (एजेंसी)। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के पूर्व मुख्य कार्यकारी और दिन रात्रि टेस्ट मैचों के आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले कीथ ब्रैडशॉ का निधन हो गया है। वह 58 वर्ष के थे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने मंगलवार को जारी बयान में ब्रैडशॉ को दुनिया भर में लोगों का चहेता क्रिकेट अधिकारी बताया। ब्रैडशॉ इंग्लैंड जाने से पहले 1980 के दशक में तस्मानिया के लिये प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला करते थे। वह 2006 में लार्ड्स स्थित एमसीसी के मुख्य कार्यकारी बने थे। वह इंग्लैंड से बाहर के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने यह पद संभाला था। वह 2008 से कैंसर से पीड़ित थे। ब्रैडशॉ 2011 में आस्ट्रेलिया लौट आये थे और दक्षिण आस्ट्रेलिया क्रिकेट संघ के मुख्य कार्यकारी बने थे। उन्होंने एडीलेड ओवल में नवंबर 2015 में आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच पहले दिन रात्रि टेस्ट मैच के आयोजन में अहम भूमिका निभायी थी।

पीसीबी से संबंध सुधारने के लिये ईसीबी सीईओ टॉम हैरिसन पाक दौरे पर

कराची (एजेंसी)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी टॉम हैरिसन पिछले महीने दौरा रद्द किये जाने के कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ बिगड़े संबंधों को सुधारने के लिये पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा के साथ बैठक करेंगे। पीसीबी सूत्रों के अनुसार राजा से मिलने के अलावा हैरिसन को इस्लामाबाद में प्रधान मंत्री इमरान खान से भी मुलाकात करनी है। इसके बाद वह टी20 विश्व कप के फाइनल और 17 नवंबर को आईसीसी कार्यकारी बोर्ड की बैठक के लिये दुबई रवाना हो जाएंगे। इंग्लैंड की पुरुष टीम 2005 के बाद पहली बार अक्टूबर में पाकिस्तान का दौरा करने वाली थी, जबकि उनकी महिला टीम भी पहली बार यहां के दौरे पर आने वाली थी। ईसीबी ने हालांकि खिलाड़ियों के ''मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य'' तथा सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए दोनों श्रृंखलाएं रद्द कर दी थी।

शास्त्री को उम्मीद, टीम को नयी ऊंचाईयों पर पहुंचाएंगे द्रविड़

दुबई (एजेंसी)। निवर्तमान मुख्य कोच रवि शास्त्री को लगता है कि उनके उत्तराधिकारी राहुल द्रविड़ को विरासत में एक शानदार टीम मिली है और उम्मीद जतायी कि वह एक खिलाड़ी और कोच के रूप में अपने अनुभव से उसे नयी ऊंचाईयों पर ले जाएंगे। नामीबिया के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के साथ ही शास्त्री का मुख्य कोच के रूप में कार्यकाल समाप्त हो गया। शास्त्री ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''एक चीज की कमी रह गयी। वह आईसीसी टूर्नामेंट में खिताबी जीत। उन्हें आगे मौका मिलेगा और राहुल द्रविड़ कोच पद संभाल रहे हैं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।'' उन्होंने कहा, ''वह शानदार खिलाड़ी रहे हैं। उनका एक रुतबा रहा है।

वर्ल्ड कप से पहले खिलाड़ियों को ब्रेक को लेकर प्रशासकों से संपर्क करना मेरा काम नहीं था: शास्त्री

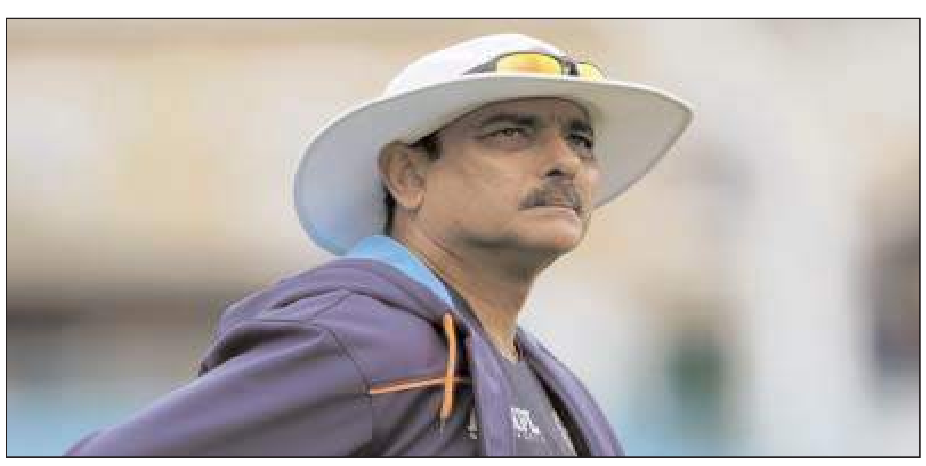

दुबई (एजेंसी)। भारत के निवर्तमान कोच रवि शास्त्री ने स्पष्ट रूप से कहा है कि टी20 विश्व कप से पहले खिलाड़ियों के लिए किसी तरह का ब्रेक को लेकर भारतीय क्रिकेट प्रशासकों से संपर्क करना उनका काम नहीं था, क्योंकि उनमें से कई को शायद पिछले छह महीनों में बायो-बबल के कारण अत्यधिक थकान से पीड़ित थे। भारत के कई शीर्ष क्रिकेटर, जो संयुक्त अरब अमीरात में विश्व कप अभियान का हिस्सा थे, उन्होंने बायो-बबल वातावरण में कई महीने बिताए हैं। इसके तहत वो एक सैनिटाइज वातावरण से दूसरे स्थान पर जा रहे हैं और शायद ही कभी वापस घर जाकर अपने परिवार के साथ बेहतर समय बिताया हो। शीर्ष भारतीय क्रिकेटर भारत में आईपीएल के पहले चरण के सुरक्षित बायो-बबल वातावरण से इंग्लैंड चले गए जहां उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल खेला। उसके बाद वो इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट श्रृंखला में शामिल हुए। इसके बाद वे यूएई में दूसरे चरण के लिए आईपीएल बायो-बबल में चले गए और, शानदार लीग के पूरा होने के बाद, उन्होंने आईसीसी टी20 विश्व कप में प्रवेश किया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने विश्व कप से पहले कुछ खिलाड़ियों को किसी तरह का ब्रेक दिलाने के लिए क्रिकेट प्रशासन से संपर्क करने की कोशिश की, शास्त्री ने कहा कि यह कुछ ऐसा निर्णय है, जो प्रशासकों को करना है। शास्त्री ने कहा, सबसे पहले, यह मेरा काम नहीं है। यह कुछ ऐसा है जो प्रशासक है, न केवल भारत से, बल्कि दुनिया भर के तमाम लोग जो बड़े टूनार्मेंटों से पहले इसकी देखरेख करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि खिलाड़ियों को खेल के बीच में थोड़ा समय मिल सके, और वो हमेशा तरोताजा रह सकें। निवर्तमान कोच ने कहा कि जहां तक मुख्य कोच के रूप में उनके पांच साल के कार्यकाल का सवाल है, उन्होंने खिलाड़ियों के साथ हमेशा लचीला रूख रखा, अगर वे वास्तव में एक ब्रेक चाहते हैं, तो उन्हें आश्वासन दिया कि वे वापस आकर अपनी जगह वापस ले सकते हैं। शास्त्री ने कहा, हमारे बीच संवाद हमेशा फ्री था, हर कोई बोलने के लिए स्वतंत्र था। किसी को भी जूनियर के रूप में नहीं माना जाता था। कोई जूनियर या सीनियर नहीं था और सभी को अपनी बात कहने की पूरी आजादी थी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से एक यात्रा है। मुझे पता है कि यह ड्रेसिंग रूम में मेरा आखिरी दिन है। मैंने अभी लड़कों से बात की है। लेकिन मैं मुझे यह मौका देने के लिए बीसीसीआई को धन्यवाद देना चाहता हूं, यह विश्वास करते हुए कि मैं काम कर सकता था। शास्त्री ने कहा, मुझे इसमें उन सभी समितियों को भी धन्यवाद देना चाहिए जो मुझे कोच के रूप में चुनने में थीं। हम सभी ने इस टीम पर कुछ समय के लिए श्रृंखला में कोशिश की है। मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं क्योंकि वे यात्रा में सभी का हिस्सा थे। लेकिन एक व्यक्ति का मैं विशेष उल्लेख करना चाहूंगा, उसका नाम एन श्रीनिवासन है। उन्होंने 2014 में मुझे यह काम करने के लिए प्रेरित किया था। वास्तव में, मुझे विश्वास नहीं था कि मैं यह काम कर सकता हूं। ऐसा लग रहा था कि उन्हें मेरी क्षमता पर मेरी तुलना में अधिक विश्वास था। मुझे आशा है कि मैंने उन्हें निराश नहीं किया है।

पहला सेमीफाइनल रू न्यूजीलैंड की निरंतरता और इंग्लैंड के विशेष खिलाड़ियों की होगी परीक्षा

अबुधाबी (एजेंसी)। खिताब का प्रबल दावेदार लेकिन चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहा इंग्लैंड अपने कुछ विशिष्ट खिलाड़ियों के सहारे टी20 विश्व कप में बुधवार को यहां होने वाले पहले सेमीफाइनल में निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने वाले न्यूजीलैंड पर हावी होने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड को टूर्नामेंट से पहले ही खिताब का दावेदार माना जा रहा था और उसने अपनी इस ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन भी किया लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर 12 के आखिरी मैच में हार से यह साफ हो गया कि इयोन मोर्गन की अगुवाई वाली टीम अजेय नहीं है।

सलामी बल्लेबाज जैसन रॉय के चोटिल होकर बाहर होने से इंग्लैंड को झटका लगा है। रॉय और जोस बटलर टूर्नामेंट की विस्फोटक सलामी जोड़ी रही है। रॉय विश्व कप से बाहर हो गये हैं और ऐसे में बटलर के साथ जॉनी बेयरस्टॉ पारी का आगाज करने के लिये उतर सकते हैं। इंग्लैंड के लिये बटलर, बेयरस्टॉ और मोईन अली जैसे खिलाड़ी विशेष रहे हैं जो अपने दम पर मैच का पासा पलटने का माद्दा रखते हैं। रॉय की जगह सैम बिलिंग्स को मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में अंतिम एकादश में रखा जा सकता है। इंग्लैंड के लिये सकारात्मक पहलू यह है कि उसके अधिकतर बल्लेबाजों ने क्रीज पर समय बिताया है और वे सेमीफाइनल के लिये तैयार हैं। गेंदबाजी में टायमल मिल्स के जांघ की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद टीम की चिंता बढ़ी है। मिल्स डेथ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। यह एक ऐसा क्षेत्र होगा जिसका विरोधी टीम फायदा उठाना चाहेगी मार्क वुड के पास गति है लेकिन मिल्स जैसी विविधता नहीं है। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे महंगे गेंदबाज रहे थे। इंग्लैंड हालांकि उस हार को भुलाकर नये सिरे से शुरुआत करने की कोशिश करेगा। स्पिनर मोईन अली और आदिल राशिद की भूमिका अहम होगी। वे पावरप्ले और बीच के ओवरों में सफलताएं हासिल करके न्यूजीलैंड पर दबाव बनाना चाहेंगे। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के दिमाग में 2019 के वनडे विश्व कप के फाइनल की यादें भी ताजा होंगी जब इंग्लैंड ने अधिक बाउंड्री लगाने के कारण खिताब जीता था। न्यूजीलैंड के लिये वह दिल तोड़ने वाली हार थी लेकिन इसके बाद भी उसकी टीम ने आईसीसी की प्रतियोगिताओं में निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है। इनमें विश्व टेस्ट चौंपियनशिप का खिताब भी शामिल है। न्यूजीलैंड के पास निश्चित तौर पर टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं जिन्होंने भारत जैसी मजबूत टीम को 110 रन पर रोक दिया था। यहां तक कि अफगानिस्तान जैसी खतरनाक टीम भी उनके खिलाफ 125 रन ही बना पायी थी।

संजय बांगर बने आरसीबी के मुख्य कोच

बेंगलुरू (एजेंसी)। रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर ने मंगलवार को भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर को इस आकर्षक लीग के 2022 सीजन के लिए फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। बांगर न्यूजीलैंड के माइक हेसन से बागडोर संभालेंगे, जो क्रिकेट संचालन निदेशक के रूप में अपनी मौजूदा भूमिका में टीम के साथ बने रहेंगे। हेसन ने यूएई में आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के लिए मुख्य कोच की अतिरिक्त भूमिका निभाई थी।

आरसीबी में अपनी नई भूमिका के बारे में बोलते हुए, बांगर ने कहा, मुख्य कोच की क्षमता में इस तरह के एक महान फ्रेंचाइजी की सेवा करने का यह एक महान अवसर है। मैंने टीम में कुछ असाधारण और प्रतिभाशाली सदस्यों के साथ काम किया है। आईपीएल मेगा नीलामियों और इसके बाद के सीजन के साथ बहुत काम करने की जरूरत है, लेकिन मुझे यकीन है कि प्रबंधन और सहयोगी स्टाफ के निरंतर समर्थन के साथ, हम कर सकते हैं।

एक बार में एक टेस्ट मैच, पाक सीरीज थोड़ा दूर है : टिम पाइन

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान टिम पाइन ने कहा है कि उन्होंने वास्तव में यह तय नहीं किया है कि वह अगले साल मार्च में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के आसपास होंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जो एक बार में एक टेस्ट मैच खेलते हैं और उनकी तत्काल प्राथमिकता आठ दिसंबर से शुरू होने वाली एशेज सीरीज में टीम की अगुवाई करने के लिए फिट होना है। पाइन ने सितंबर के मध्य में एक उभरी हुई डिस्क को ठीक करने के लिए एक आक्रामक गर्दन की सर्जरी करवाई थी जिससे विकेटकीपर-बल्लेबाज को उनके बाएं हाथ और गर्दन में परेशानी हो रही थी। उभरी हुई डिस्क तंत्रिका नलिका पर दबाव डाल रही थी, जिससे शरीर के बाईं ओर दर्द हो रहा था। पाइन ने इस महीने कुछ प्रशिक्षण सत्र किए हैं और हालांकि कई मौकों पर उन्हें थोड़ा दर्द हुआ था, उन्हें उम्मीद है कि जब एशेज श्रृंखला अगले महीने गाबा में शुरू होगी तो वह तैयार होंगे। पाइन ने मंगलवार को सेन के व्हाटली को बताया, ईमानदारी से कहूं तो मैंने (मार्च तक खेलने पर) मना नहीं किया है, लेकिन यह किसी भी साल से अलग नहीं है जब मैं टीम में वापस आया हूं। मैंने कहा है कि कई बार, मैं एक समय में एक टेस्ट मैच

देखता हूं, एक समय में एक श्रृंखला, जब से मैं 33 साल की उम्र में टीम में वापस आया, मुझे लगता है कि आप इस श्रृंखला से बहुत आगे देखने के लिए मूर्ख होंगे। मैं (कोच) जस्टिन लैंगर और हमारे चयनकर्ताओं के साथ लगातार संपर्क में हूं, और हम सभी जानते हैं कि हम उस पर कहां खड़े हैं। 36 वर्षीय पाइन ने कहा, मैं एशेज श्रृंखला खेलूंगा, देखें कि मुझे कैसा लगता है, देखें कि हम कैसे जाते हैं, देखें कि टीम के साथी क्या सोचते हैं, और फिर हम आगे बढ़ेंगे।

रांची जेएससीए स्टेडियम में 18 हजार दर्शक देख सकेंगे भारत-न्यूजीलैंड टी-20 मुकाबला

रांची (एजेंसी)। रांची स्थित जेएससीए क्रिकेट स्टेडियम में आगामी 19 नवंबर को इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले टी-ट्वेंटी इंटरनेशनल मैच में 18 हजार दर्शकों को स्टेडियम में बैठकर मैच देखने का मौका मिल सकेगा। स्टेडियम की क्षमता लगभग 40 हजार दर्शकों की है, लेकिन झारखंड सरकार के आपदा प्रबंधन प्राधिकार ने अधिकतम 18 हजार दर्शकों के प्रवेश की इजाजत दी है।

स्टेडियम में प्रवेश के लिए दर्शकों को कोविड टीके के दोनों डोज का प्रमाण या 15 नवंबर के बाद की आरटीपीसीआर रिपोर्ट दिखानी होगी। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव संजय सहाय ने बताया कि मैच के लिए टिकटों की बिक्री आगामी 15 से 17 नवंबर तक की जा सकती है। एसोसिएशन ने स्टेडियम के वेस्ट गेट के पास बनाये जा रहे काउंटरों से टिकट बिक्री के लिए जिला प्रशासन से अनुमति मांगी है। टिकटों की दरें भी तय कर दी गयी हैं। सबसे कम टिकट 900 रुपये और अधिकतम 9000 रुपये मूल्य का होगा। इसके अलावा विभिन्न श्रेणियों के लिए बारह, चौदह, सत्रह एवं अठारह सौ, चार हजार, चार हजार पांच सौ और पांच हजार पांच सौ रुपये की दरों वाले टिकट उपलब्ध रहेंगे। टिकटों की बिक्री पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर की जायेगी।

जेएससीए मैनेजमेंट कमिटी की ओर से दर्शकों के लिए एडवाइजरी भी जारी कर दी गयी है। इसके अनुसार स्टेडियम में मास्क के बिना प्रवेश नहीं दिया जायेगा। प्रवेश के समय एक-दूसरे से दो गज की दूरी अनिवार्य होगी। स्टेडियम में किसी भी तरह की बैग, थैला, कैमरा या ठोस वस्तु लेकर जाने पर प्रतिबंध है।

दर्शकों से कहा गया है कि वे आवंटित सीट नंबर पर भी बैठेंगे, अन्यथा उन्हें मैच देखने से वंचित किया जा सकता है।

काम के बोझ का प्रबंधन करने का सही समय : कोहली

दुबई (एजेंसी)। भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान के रूप में अपने अंतिम मैच में नामीबिया को नौ विकेट से हराने के बाद विराट कोहली टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाने के कारण निराश दिखे लेकिन उन्होंने कहा कि यह उनके लिए अपने काम के बोझ का प्रबंधन करने का सही समय है। कोहली पिछले काफी समय से क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में भारतीय टीम की अगुआई कर रहे हैं और मौजूदा टी20 विश्व कप से पहले ही उन्होंने घोषणा कर दी थी कि इस प्रारूप में भारतीय कप्तान के रूप में यह उनका अंतिम टूर्नामेंट होगा।

नामीबिया के 133 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने रोहित की 37 गेंद में दो छक्कों और सात चौकों से 56 रन की पारी के अलावा लोकेश राहुल (36 गेंद में नाबाद 54, चार चौके, दो छक्के) के साथ उनकी पहले विकेट की 86 रन की साझेदारी की बदौलत 28 गेंद शेष रहते एक विकेट पर 136 रन बनाकर जीत दर्ज की। राहुल ने सूर्यकुमार यादव (19 गेंद में नाबाद 25 रन) के साथ भी दूसरे विकेट के लिए 50 रन की अटूट साझेदारी की। जडेजा (16 रन पर तीन विकेट), अश्विन (20 रन पर तीन विकेट) और जसप्रीत बुमराह (19 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने नामीबिया की टीम आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी। नामीबिया के खिलाफ जीत के बाद कोहली से जब आखिरी मैच में कप्तानी को लेकर भावनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''सबसे पहले तो राहत महसूस कर रहा हूं। जैसा कि मैंने पहले कहा कि यह सम्मान की बात है लेकिन चीजों को सही नजरिए से देखना होगा। यह मेरे लिए काम के बोझ का प्रबंधन करने का सही समय है। पिछले छह से सात साल में हमने जब भी मैदान में कदम रखा तो कड़ा क्रिकेट खेला जिसका शरीर पर काफी असर पड़ता है।'' उन्होंने कहा, ''यह काफी अच्छा रहा, खिलाड़ियों का शानदार समूह और हमने टीम के रूप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। मुझे पता है कि इस विश्व कप में हम काफी आगे तक नहीं गए लेकिन टी20 क्रिकेट में हमने कुछ अच्छे नतीजे हासिल किए और एक दूसरे के साथ खेलने का लुत्फ उठाया।'' कोहली ने कहा कि अगर पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो मैचों में शुरुआती लगभग दो ओवर अच्छे रहते तो चीजें अलग हो सकती थी। उन्होंने कहा, ''टी20 क्रिकेट में अधिक अंतर नहीं होगा। अगर आप पहले दो मैचों में शुरुआती लगभग दो ओवर में अधिक जज्बे के साथ खेलते तो चीजें अलग हो सकती थी। जैसा कि मैंने कहा कि हमने पर्याप्त साहस नहीं दिखाया। हम ऐसी टीम नहीं हैं जो टॉस हारने को बहाना बनाए।'' मुख्य कोच रवि शास्त्री और अन्य सहयोगी स्टाफ के टीम के साथ अंतिम मुकाबले के बाद कोहली ने सभी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ''इन सभी लोगों को धन्यवाद, इन वर्षों में उन्होंने शानदार काम किया और टीम को एकजुट रखा। टीम के आसपास शानदार माहौल रहा, वे हमारे बड़े परिवार का विस्तार हैं। उन्होंने भी भारतीय क्रिकेट में शानदार योगदान दिया है। हम सभी की ओर से उन सभी को धन्यवाद।''

टी20 विश्व कप: नामीबिया को हराकर भारत ने किया अभियान खत्म

दुबई (एजेंसी)। रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन के फिरकी के जादू के बाद सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और लोकेश राहुल के अर्धशतकों से भारत ने सोमवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप दो के महज औपचारिकता के अपने अंतिम मैच में नामीबिया को नौ विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। दोनों टीमें पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी थी। नामीबिया के 133 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने रोहित की 37 गेंद में दो छक्कों और सात चौकों से 56 रन की पारी के अलावा लोकेश राहुल (36 गेंद में नाबाद 54, चार चौके, दो छक्के) के साथ उनकी पहले विकेट की 86 रन की साझेदारी की बदौलत 28 गेंद शेष रहते एक विकेट पर 136 रन बनाकर जीत दर्ज की। राहुल ने सूर्यकुमार यादव (19 गेंद में नाबाद 25 रन) के साथ भी दूसरे विकेट के लिए 50 रन की अटूट साझेदारी की। मैन ऑफ द मैच जडेजा (16 रन पर तीन विकेट), अश्विन (20 रन पर तीन विकेट) और जसप्रीत बुमराह (19 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने नामीबिया की टीम आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी। नामीबिया ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और उसकी ओर से डेविड वाइसी (26) तथा सलामी बल्लेबाज स्टीफन बार्ड (21) ही 20 रन के आंकड़े को पार करने में सफल रहे। भारत ने हालांकि 17 अतिरिक्त रन भी दिए जिससे टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित शर्मा अपनी पहली ही गेंद पर भाग्यशाली रहे जब शॉर्ट फाइन लेग पर उनका कैच छूट गया और गेंद चार रन के लिए चली गई। दुर्भाग्यशाली गेंदबाज रूबेन ट्रंपलमैन रहे। रोहित ने जीवनदान का फायदा उठाते हुए वाइसी का स्वागत चौके और छक्के के साथ किया। रोहित ने ट्रंपलमैन पर चौके के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 3000 रन पूरे किए। वह यह उपलब्धिक हासिल करने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले भारतीय कप्तान विराट कोहली और न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। रोहित ने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए बायें हाथ के स्पिनर बर्नार्ड शोल्ट्ज

पर चौका और छक्का जड़ा जबकि राहुल ने वाइसी की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया। भारत ने पावर प्ले में बिना कोई विकेट गंवाए 54 रन बनाए। रोहित ने स्मिट पर चौका और फिर एक रन के साथ 31 गेंद में 24वां अर्धशतक पूरा किया। राहुल ने जेन फ्राइलिंक पर छक्का जड़ा जबकि रोहित भी इसी तेज गेंदबाज पर छक्का मारने की कोशिश में गेंद को हवा में लहरा गए और विकेटकीपर जेन ग्रीन कैच लपकने में कोई गलती नहीं की। सूर्यकुमार यादव ने भी आते ही जेन निकोल लॉफ्टी ईटन पर चौका जड़ा और उनके अगले ओवर में भी गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराए। भारत के रनों का शतक 12वें ओवर में पूरा हुआ। राहुल और सूर्यकुमार दोनों ने ट्रंपलमैन पर चौके मारे। भारत को अंतिम छह ओवर में जीत के लिए 11 रन की दरकार थी और राहुल तथा सूर्यकुमार ने भारत को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचा दिया। राहुल ने इस बीच लॉफ्टी ईटन की गेंद पर एक रन के साथ 35 गेंद में अर्धशतक भी पूरा किया।

भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान के रूप में अपने 50वें और अंतिम मैच में विराट कोहली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद माइकल वान लिंगेन (14) ने दूसरे ओवर में बुमराह पर दो चौके जबकि स्टीफन बार्ड (21) ने मोहम्मद शमी पर छक्का जड़कर टीम को सकारात्मक शुरुआत दिलाई। लिंगेन हालांकि बुमराह की उछाल लेती गेंद को उठाकर मारने की कोशिश में मिड आफ पर शमी को आसान कैच दे बैठे। जडेजा ने अगले ओवर में क्रेग विलियम्स को खाता खोले बिना ऋषभ पंत के हाथों स्टंप कराया। पावर प्ले में नामीबिया ने दो विकेट पर 34 रन बनाए। बार्ड ने जडेजा पर अपना पहला चौका जड़ा लेकिन बायें हाथ के इस स्पिनर ने इसी ओवर में उन्हें पगबाधा कर दिया। अश्विन ने जेन निकोल लॉफ्टी ईटन (05) को स्लिप में रोहित के हाथों कैच कराने के बाद कप्तान गेराहार्ड इरासमस (12) को पंत के हाथों कैच कराके नामीबिया का स्कोर पांच विकेट पर 72 रन किया। जडेजा की गेंद पर रोहित ने कवर में जेजे स्मिट (09) का शानदार कैच लपका जबकि अश्विन ने जेन ग्रीन (00) को बोल्ड किया। नामीबिया के रनों का शतक 17वें ओवर में पूरा हुआ। वाइसी भी इसके बाद बुमराह का शिकार बने जिससे नामीबिया की टीम अंतिम ओवरों में तेजी से रन जुटाने में नाकाम रही। वाइसी ने 25 गेंद की पारी में दो चौके जड़े। रूबेन ट्रंपलमैन (छह गेंद में नाबाद 13) और जेन फ्राइलिंक (नाबाद 15) ने नामीबिया का स्कोर 130 रन के पार पहुंचाया।

कैंसर से लड़कर लौटीं किरण खेर, शिल्पा शेट्टी और बादशाह के साथ 'इंडियाज गॉट टैलंट' को करेंगी जज

ऐक्ट्रेस और पॉलिटिशन किरण खेर शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और बादशाह के साथ 'इंडियाज गॉट टैलंट' के जज की सीट पर आने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। किरण खेर को हाल ही में कैंसर का पता लगा था जिसके बाद वह इलाज के दौरान पूरी तरह से रेस्ट पर थीं। इस वक्त काम पर लौटने को लेकर किरण खेर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने आईएनएस से बातचीत में कहा, 'इंडियाज गॉट टैलंट हमेशा से मेरे दिल के करीब रहा है। इस टैलंट शो को जज करते हुए यह मेरा नौवां साल है। बतौर जूरी मेंबर शो पर लौटना एक सुखद अनुभव है। ऐसा लग रहा है जैसे मैं घर वापस आ रही हूं।' किरण इस शो में शिल्पा और बादशाह के साथ

इसे जज करने को लेकर भी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'शो का हिस्सा होना मेरे लिए हमेशा से गर्व की बात रही है जो हर किसी को अपना टैलंट दिखाकर अपने सपने को सच करने का मौका देता है। मैं खूबसूरत और प्यारी शिल्पा शेट्टी और पंजाबी मुंडा बादशाह के साथ इस शो को जज करने को लेकर काफी उत्साहित हूं। इन सबसे ऊपर, मैं इस शो का हिस्सा बनकर खुश हूं, इस नए सफर पर जाने के लिए मैं अब और इंतजार नहीं कर सकती कि इंडिया ने इस साल क्या स्टोर कर रखा है।' बता दें कि इसी साल अप्रैल में अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए वाइफ किरण खेर के कैंसर (ब्लड कैंसर) की बीमारी की खबर दी थी। पिछले दिनों उनकी इस बीमारी का इलाज चला और फिलहाल उनकी तबीयत ठीक है। **(एजेंसी)**

बादशाह, डिवाइन, मिकी मैक्लेरी ने रेड नोटिस को दिया देसी टच

संगीतकार बादशाह, डिवाइन, जोनिता गांधी और मिकी मैक्लेरी ने आगामी एक्शन से भरपूर नेटफ्लिक्स फिल्म रेड नोटिस के लिए बचके रहना रे बाबा गाने के लिए यूनिवर्सल म्यूजिक इंडिया के साथ सहयोग किया है। रैपर बादशाह ने कहा कि आर.डी. बर्मन क्लासिक बचके रहना रे बाबा गाना एक आदर्श गीत है। उन्होंने कहा, मैं डिवाइन एक्स, बादशाह के सहयोग को देखने के लिए उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि यह एक निर्णायक क्षण है। बादशाह को लगता है कि बचके रहना रे बाबा तेज गति

और ऊर्जा से भरपूर गाना है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे पास गाने का रीमेक बनाने, इसे एक आधुनिक देसी बॉप वाइब देने और फिर इसकी शूटिंग करने में बहुत अच्छा समय था। हमने पूरे गाने को खत्म करने में एक महीने का समय लिया। दिव्य अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली हैं और मुझे उनके साथ काम करने का अवसर पाकर खुशी हो रही है। इसे दर्शकों के साथ साझा करने के लिए हम बेताब है। नेटफ्लिक्स पर जल्द ही रेड नोटिस आने वाला है। यह गीत प्रतिष्ठित हिंदी गीत बच के रहना रे बाबा का एक नया रूप है, जो क्लियोपेट्रा के एक्शन और रोमांच से भरपूर शिकार को उजागर करता है, यह फिल्म के मूल में है। यह पहली बार है कि बादशाह और डिवाइन संगीत बनाने के लिए एक साथ आए हैं, और उन्हें जोनिता गांधी के आकर्षण और मिकी मैक्लेरी की संगीतमय प्रतिभा का समर्थन प्राप्त है। रैपर और गीतकार डिवाइन ने कहा कि मूल एक क्लासिक है और इसे इस नए युग के संस्करण के अनुकूल बनाना एक अच्छा अनुभव था। इसकी शूटिंग करना एक और अद्भुत अनुभव था। आशा है कि प्रशंसक इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितने मन से हमने इसे बनाया है। **(एजेंसी)**

पीयूष मिश्रा आज के युवा कलाकारों के उत्साह से हुए प्रभावित

आनेवाली वेब सीरीज मत्स्य कांड में अहम भूमिका निभा रहे अभिनेता-निर्देशक और जाने-माने गीतकार पीयूष मिश्रा का कहना है कि आज के युवा कलाकारों की व्यावसायिकता और उत्साह ने उन्हें वास्तव में प्रभावित किया है। पीयूष ने इससे पहले रणबीर कपूर, अली जफर, तापसी पन्नू जैसे अभिनेताओं के साथ रॉकस्टार, तेरे बिन लादेन, पिंक जैसी फिल्मों में और रवि दुबे के साथ नई सीरीज में भी काम किया है। पीयूष ने कहा, आज के युवाओं के उत्साह ने मुझे वास्तव में प्रभावित किया है। मैंने अपने नए शो के लिए अब रवि सहित उनमें से कुछ के साथ काम किया है और मुझे कहना होगा कि वे बहुत अच्छी तरह से तैयार हैं। उनके काम करने का तरीका, व्यावसायिकता काफी उन्नत है। साथ ही, मुझे विशेष रूप से रणबीर का उल्लेख करना है। मैं वास्तव में उनको प्यार करता हूं, वह अच्छे अभिनेता हैं। उन्होंने कहा, वह एक अभिनेता के रूप में एक ही समय में तेज और सहज हैं, जो किसी भी प्रदर्शन करने वाले कलाकार का एक महान गुण है। सभी निर्देशकों में मुझे इम्तियाज (अली) का भी उल्लेख करना चाहिए, जिन्हें मैं एक सच्चे कहानीकार के रूप में देखता हूं। मैंने केवल साथ काम किया है, उन्हें दो फिल्मों रॉकस्टार और तमाशा में लेकिन काम करके बहुत मजा आया था..। मत्स्य कांड अजय भुइयां द्वारा निर्देशित सीरीज है, जिसकी कहानी एक ठग मत्स्य के इर्द-गिर्द घूमती है। रवि इसमें 11 अलग-अलग अवतारों में दिखाई देते हैं। सीरीज के अपने किरदार के बारे में पीयूष ने कहा, मैं एक जेल कैदी की भूमिका निभा रहा हूं, जिसे हर कोई पंडित जी कहता है। वह जेल के अंदर बहुत प्रभावशाली पात्रों में से एक है। वह एक उच्च ज्ञानी व्यक्ति है। अच्छी तरह से पढ़ा हुआ, अच्छी तरह से वाकिफ। वह जेल में वेदों और भारतीय पौराणिक कथाओं पर कक्षाएं लेता है और सभी कैदी उसे सुनते हैं और उसका पालन करते हैं। **(एजेंसी)**

बंटी और बबली 2 ने सिद्धांत चतुर्वेदी के सपनों को किया सच

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने साझा किया है कि कैसे उनकी आगामी फिल्म बंटी और बबली 2 ने प्रतिष्ठित यशराज फिल्म्स के साथ काम करने के उनके सपने को पूरा किया है। 2019 में जब उन्होंने फिल्म के लिए अपनी यात्रा शुरू की थी, सिद्धांत ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें वह स्टूडियो के बाहर एक चाय के स्टॉल खड़े थे। अभिनेता ने कहा, वाईआरएफ स्टूडियो के साथ मेरा बहुत लंबा रिश्ता है। मेरे कॉलेज के दिनों में, मेरे बहुत सारे दोस्त ऑडिशन और इंटर्नशिप के लिए स्टूडियो आते थे, इसलिए अगर मैं कभी उनके साथ जाता, तो मैं हमेशा एक चाय की टपरी पर बाहर उनका इंतजार करता। उन्होंने आगे कहा कि मेरे दोस्तों ने मुझे अंदर आने के लिए बहुत कहा था, लेकिन मैं कभी अंदर नहीं गया क्योंकि मेरा यह सपना था कि मुझे आदित्य चोपड़ा सर द्वारा आमंत्रित किया जाए। भले ही उस समय यह एक कभी पूरा न होने वाले सपने की तरह था, पर मैंने फैसला किया था। जब बंटी और बबली 2 आई तो यह मेरे लिए सबसे खास फिल्मों में से एक बन गई क्योंकि इसने मेरे सपने को सच कर दिया। **(एजेंसी)**

नोरा फतेही

ने एयरपोर्ट पर पहनी रिवीलिंग ड्रेस, देखकर लोग बोले- हाय गर्मी!

अपने सिजलिंग डांस मूव्स के अलावा बोल्डनेस की वजह से आए दिन सुर्खियां बोटरने वालीं एक्ट्रेस नोरा फतेही हाल ही में कुछ ऐसे ही कारणों से चर्चाओं में आ गई हैं। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है, जिसमें वो एयरपोर्ट पर नजर आ रही हैं। इस वीडियो में वो रिवीलिंग ड्रेस पहने

बोल्ड अवतार में दिखाई दे रही हैं। उनके इस अंदाज ने फैंस को एक बार फिर से दीवाना बना दिया है। कई लोगों को नोरा पर फिल्माया गया गाना हाय गर्मी याद आ गया। नोरा फतेही को हाल ही में एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान नोरा को देखते ही पैपराजी उन्हें कैमरों में कैद करने को दौड़ पड़े। एयरपोर्ट पर भी नोरा का जबरदस्त हॉट अंदाज देखने को मिला, उन्होंने व्हाइट रंग की टी-पीस ड्रेस पहन रखी थी। इसके साथ ही उन्होंने हाथ में पीच कलर का बैग ले रखा था। हाई हील्स के साथ नोरा चेहरे को मास्क और सनग्लासेस से ढ़के नजर आईं। नोरा हाथ में फोन लिए कैमरे के सामने पोज देती दिखीं। यहां देखें वायरल हो रहा नोरा का ये वीडियो- नोरा का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल होता दिख रहा है। वीडियो पर फैंस की ताबड़तोड़ प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। वीडियो पर मिल रहे कमेंट्स को देखें तो कई लोग नोरा को देखकर लिख रहे हैं- हाय गर्मी। इसके अलावा कई नोरा को एयरपोर्ट पर बोल्ड ड्रेस पहनने के लिए ट्रोल करते दिखाई दे रहे हैं। **(एजेंसी)**

अनुराग कश्यप की बेटी आलिया ने शेयर कीं बेडरूम की पर्सनल फोटोज, ब्वॉयफ्रेंड के इतने करीब आईं नज़र!

बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। अलिया बेबाकी के मामले में बिल्कुल अपने पापा जैसी हैं, फिर चाहें वो किसी मुद्दे पर अपनी बात रखना हो या अपनी पर्सनल लाइफ को एंजॉय करना हो। अफेयर से लेकर पापा के तलाक तक पर आलिया पर खुलकर अपनी बात रखती हैं। आलिया अपने लव रिलेशन को भी बिल्कुल निजी नहीं रखतीं, बल्कि अक्सर अपने ब्वॉयफ्रेंड शेन ग्रीगोइरे के साथ अक्सर रोमांटिक तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में आलिया ने फिर से ब्वॉयफ्रेंड के साथ कुछ बेहद कोज़ी फोटोज़ शेयर की हैं जो इंटरनेट पर ताबड़तोड़ वायरल हो

रही हैं। इन फोटोज में आलिया अपने ब्वॉयफ्रेंड के काफी करीब दिखाई दे रही हैं। देखें तस्वीरें। जैसा कि दोनों तस्वीरों से साफ नज़र आ रहा है कि आलिया और उनके ब्वॉयफ्रेंड एक होटल रूम में क्वालिटी टाइम स्पैंड कर रहे हैं। फोटोज़ में दोनों ने सफेद रंग के बाथरोब पहने बैठे हुए हैं। दोनों ने हाथ में जूस का ग्लास ले रखा है और उनके सामने नाश्ता रखा हुआ है। पहली तस्वीर में आलिया और शेन एक दूसरे को देखकर मुस्कुराते दिख रहे हैं, तो वहीं दूसरी तस्वीर में दोनों लिप लॉक करते दिखाई दे रहे हैं। इन फोटोज़ को शेयर करते हुए आलिया ने अपने कैप्शन में लिखा 'रोमांटिक गेटवे'। वहीं हैशटैग्स के साथ ये बताया है कि वो इस वक्त बीकानेर में ठहरी हुई हैं। बता दें कि आलिया कश्यप लंबे समय से शेन ग्रीगोइरे को डेट कर रही हैं। कुछ महीने पहले आलिया ने ब्वॉयफ्रें के बर्थडे पर अपनी कुछ अनसीन रोमांटिक फोटोज़ शेयर की थीं जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल भी हुई थीं। वर्क फ्रंट की बात करें तो आलिया एक सोशल मीडिया इनफ्लूएंज़र हैं। आलिया उन स्टारकिड्स में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू नहीं किया है। **(एजेंसी)**

रवीना टंडन की डेब्यू वेब सीरीज अरण्यक की रिलीज डेट कन्फर्म, नेटफ्लिक्स ने टीजर के साथ किया तारीख का खुलासा

बॉलीवुड की मस्त-मस्त गर्ल रवीना टंडन नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज अरण्यक से ओटीटी डेब्यू कर रही हैं। इस बहुप्रतीक्षित सीरीज की रिलीज कन्फर्म हो गयी है। नेटफ्लिक्स ने मंगलवार को टीजर के साथ सीरीज की रिलीज डेट की घोषणा की। इस मिस्ट्री-थ्रिलर सीरीज में रवीना एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगी। लगभग एक मिनट के टीजर की शुरुआत पहाड़ों से होती

है। वॉइसओवर में बच्चा पूछता है, दादू आज बंदूक क्यों निकाली है? दृश्य बदलता है। पुलिस की वर्दी टंगी है, जिस पर कस्तूरी डोगरा नाम की प्लेट लगी है। वयस्क आवाज आती है कि कल चंद्रग्रहण था। दृश्य बदलता है और एक काले चीते जैसा जानवर हमला करता है। बच्चे की आवाज फिर आती है- तो? वयस्क आवाज जवाब देती है- वो आ सकता है। बच्चा पूछता है- कौन? जवाब मिलता है- चंद्रग्रहण की रात को वो निकलता है खून पीने। **(एजेंसी)**

एकता कपूर को मिले पद्मश्री सम्मान ने आलोचकों को दिया करारा जबाव

टीवी निमार्ता एकता कपूर को हाल ही में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। हालाँकि, एकता ने कई चुनौतियों का सामना करके ये मुकाम हासिल किया है। यहां तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं

था। ऐसे बहुत से लोग थे, जो उनकी क्षमता पर संदेह कर रहे थे। एकता को मिले पद्मश्री ने उन सभी आलोचकों को करारा जबाव दिया है। अपने शुरूआती दिनों को याद करते हुए, एकता ने कहा कि उद्योग में मेरी शुरूआत तब हुई जब मैं सिर्फ 17 साल की थी। मैंने लगातार सुना कि मैं बहुत छोटी, बहुत कच्ची थी और चीजों को करने के लिए बहुत जल्दबाजी कर रहीं हूं। लेकिन, वह दृढ़ता से मानती है कि किसी भी काम को जल्दी शुरू करना ताकत का प्रतीक होता है, वह आगे कहती है कि वर्षों से मैंने महसूस किया है कि अपने सपनों को जीना कभी भी जल्दबाजी नहीं होता है और बहुत छोटा होना शायद सबसे अच्छी बात है।

आज, जैसा कि मुझे चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया है, मैं बहुत खुश हूं। निमार्ता ने अपने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ऑल्ट बालाजी के साथ डिजिटल क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाई है। उनका अगला प्रोडक्शन, एक विलेन रिटर्न्स 2014 की एक्शन थ्रिलर एक विलेन का सीक्वल है। फिल्म जॉन अब्राहम, दिशा पटानी, तारा सुतारिया और अर्जुन कपूर मुख्य भूमिका में हैं। मोहित सूरी द्वारा निर्मित फिल्म 8 जुलाई, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। **(एजेंसी)**

किचन के टेस्ट में पास हुईं कटरीना तो अक्षय बोले- अब ये शादी के लिए तैयार है

'द कपिल शर्मा शो' में इस वीकेंड कटरीना कैफ और अक्षय कुमार नजर आए। दोनों स्टार्स अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'सूर्यवंशी' को प्रमोट करने पहुंचे थे। यह एपिसोड काफी मजेदार रहा था। अक्षय और कटरीना ने जहां एक-दूसरे से जुड़े मजेदार खुलासे किए, वहीं कपिल शर्मा की भी खिंचाई की। अब कपिल शर्मा ने यूट्यूब पर इस एपिसोड का एक अनसेंसर्ड वीडियो शेयर किया है, जो बेहद फनी है। इस वीडियो में कपिल, कटरीना का किचन से जुड़ा टेस्ट लेते हैं, जिस पर अक्षय कुछ ऐसा कह जाते हैं कि सब हंस पड़ते हैं।

वीडियो में कपिल शर्मा, अक्षय से कहते हैं, 'पाजी आपको पता है कटरीना ने बहुत काम किया है लॉकडाउन में घर पे। किचन में कभी कुकिंग कर रही थीं। कभी झाड़ू लगा रही थीं। चलिए एक छोटा सा टेस्ट हो जाए आपका।' इसके बाद कपिल शर्मा किचन का कुछ सामान मंगवाते हैं। वह एक-एक चीज दिखाकर कटरीना से उसका नाम पूछते हैं। कटरीना उन चीजों के ऐसे-ऐसे नाम बताती हैं कि अक्षय और कपिल के साथ अर्चना पूरन सिंह हंस पड़ती हैं। हालांकि कुछ नाम

कटरीना सही भी बताती हैं। इसके बाद अक्षय, कपिल की ओर देखकर कहते हैं, 'अब ये तैयार है।' कपिल हैरानी से पूछते हैं कि तैयार किसके लिए? तो अक्षय कहते हैं, 'शादी के लिए।' इतना सुनते ही कपिल और अक्षय की हंसी छूट पड़ती है। बता दें कि इस वक्त हर तरफ कटरीना कैफ की शादी की ही चर्चा हो रही है। खबर है कि कटरीना 7 या 8 दिसंबर को ऐक्टर विकी कौशल के साथ सात फेरे लेने जा रही हैं। कहा जा रहा है कि शादी 7-8 दिसंबर को राजस्थान स्थित पइैमदेमे थ्वतज में होगी, जिसका प्रति दिन किराया 75 हजार बताया जा रहा है। हालांकि अभी तक विकी या कटरीना में से किसी ने भी अपनी शादी का बात कन्फर्म नहीं की है। **(एजेंसी)**

भूतों के सुनसान गांव में भटकती दिखीं नुसरत भरूचा, देखें छोरी का रोंगटे खड़े कर देने वाला टीजर

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा की बहुचर्चित फिल्म छोरी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अभिनेत्री की इस फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है। अमेजर प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली नुसरत भरूचा की यह हॉरर फिल्म काफी समय से चर्चा में थी। बीते दिनों फिल्म छोरी का फर्स्ट लुक सामने आया था जिसके दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब फिल्म का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। फिल्म छोरी की कहानी एक सुनसान गांव में अपसामान्य गतिविधि से जुड़ी उनके अनुभव की घटनाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। अक्टूबर की शुरुआत में अमेजन प्राइम वीडियो ने दर्शकों के लिए फिल्म छोरी के मोशन पोस्टर रिलीज किया था। बात करें फिल्म के टीजर की तो इसमें शहर से दूर एक सुनसान गांव दिखाया गया है। इस गांव में साक्षी (नुसरत भरूचा) भटकती हुई नजर आर रही हैं। टीजर में आगे दिखाया गया है कि नुसरत भरूचा गांव में सभी पैरानॉर्मल चीजों का अनुभव करती है। टीजर में कई तरह के भूत-प्रेतों की झलक भी दिखाई है। फिल्म

छोरी के टीजर में रोंगटे खड़े कर देने वाले डरावनी झलक दिखाई गयी है। टीजर को देखकर कहा जा सकता है कि सुनसान गांव में ढेर सारी रहस्य भी छुपे हुए हैं। हॉरर फिल्मों को पसंद करने वालों दर्शकों को फिल्म छोरी का टीजर काफी पसंद आ रहा है। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित और टी-सीरीज, क्रिप्ट टीवी और अबुदंतिया एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित फिल्म छोरी 26 नवंबर 2021 को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म छोरी मराठी फिल्म लपाछपी का हिंदी रीमेक है और इसमें नुसरत भरूचा के अलावा मीता वशिष्ठ, राजेश जायस, सौरभ गोयल और यानिया भारद्वाज सहित कई कलाकार अहम किरदार निभा रहे हैं। बीते दिनों फिल्म छोरी का मोशन पोस्टर रिलीज हुआ था। इस मोशन पोस्टर में एक चुडैल को दिखाया गया था। जिसने रेड कलर के दुपट्टे से अपना सिर और आधा चेहरे ढका हुआ था। उसका आधा चेहरा काफी डरावा दिखाया गया। वहीं पोस्टर के बैकग्राउंड में एक बच्ची की आवाज सुनाई दे रही थी जो लोरी गा रही है। छोरी का यह पोस्टर हॉरर फिल्मों के शौकीन दर्शकों को काफी पसंद आया था। **(एजेंसी)**

'टिप टिप बरसा पानी' गाने पर कटरीना ने अक्षय संग जमकर किया रोमांस, रवीना टंडन को दे रही हैं जमकर टक्कर

रोहित शेट्टी की फिल्म 'सूर्यवंशी' का लेटेस्ट सॉन्ग 'टिप टिप बरसा पानी' ने रिलीज होते ही धमाल मचा दिया है। अक्षय कुमार और कटरीना कैफ की जोड़ी इस रीमिक्स गाने में बेहद खूबसूरत दिख रही है, लेकिन फैन्स रवीना टंडन को भुला नहीं पा रहे हैं। करण जौहर ने इस गाने का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

बता दें कि 'टिप टिप बरसा पानी' 1994 में आई फिल्म मोहरा का वह हिट गाना है, जिसमें अक्षय कुमार के साथ रवीना टंडन की रोमांटिक जोड़ी को लोग आज तक याद करते हैं। अब इसी गाने का रीमिक्स वर्जन अक्षय कुमार की फिल्म 'सूर्यवंशी' में दिखाया गया है, जिसमें कटरीना कैफ ने अपने अंदाज से रवीना टंडन को टक्कर देने की जमकर कोशिश की है। बारिश में भीगते हुए कैटरीना कैफ के इस डांस को देखकर फैन्स उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। इस सॉन्ग में कटरीना और अक्षय का डांस और रोमांस दोनों ही फैन्स को काफी पसंद आ रहा है। कटरीना ने रवीना के बराबर आने में इस गाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और ये बातें फैन्स भी मान रहे हैं। **(एजेंसी)**